mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-316 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
17 नवंबर 2024 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

टीम इंडिया के ...

@ पेज 7

विकास के लिए शिक्षा अनिवार्य लेकिन वह भारत-केंद्रित हो

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा विकास और पर्यावरण की रक्षा के बीच संतुलन बनाना आवश्यक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार को गुरुग्राम पहुंचे थे। यहां वह विविभा-2024 विकसित भारत के लिए विजन के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। भागवत ने कहा कि विकास के लिए शिक्षा अनिवार्य लेकिन वह भारत-केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अपने विकास के मॉडल बनाने की जरूरत है जो वैश्विक उदाहरण बन सकें। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं है,लेकिन यह शिक्षा भारत-केंद्रित होनी चाहिए। हमें दुनिया भर से अच्छे विचार लेने चाहिए, लेकिन कभी भी अंधाधुंध अनुयायी नहीं बनना चाहिए। भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित शोध के लिए शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। भारतीय शिक्षण मंडल- युवा आयाम की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ और नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी शामिल होंगे।

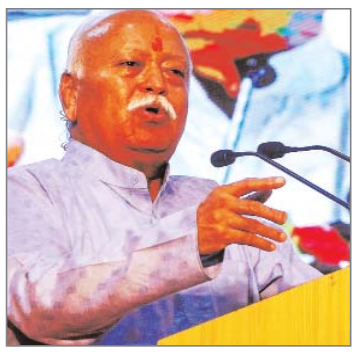

- **16वीं शताब्दी तक भारत हर क्षेत्र में आगे था-** मोहन भागवत ने कहा कि पहली शताब्दी से लेकर 16वीं शताब्दी तक भारत हर क्षेत्र में आगे था। हमने बहुत पहले ही बहुत कुछ खोज लिया था। हम बस रुक गए और इसी कारण हमारा पतन शुरू हुआ। उन्होंने खेती का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में पिछले 10,000 सालों से खेती हो रही है, लेकिन जमीन,पानी,हवा के प्रदूषित होने की समस्या कभी नहीं थी लेकिन जब बाहर से खेती आई, तो 500-600 सालों में ही ये चीजें होने लगीं। भागवत ने कहा, कहीं न कहीं भारत की दृष्टि में कमी थी, जिसके कारण विकास भी एकतरफा हुआ। भारत में विकास समग्र रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल बहस इस बात पर होती है कि विकास किया जाए या पर्यावरण की रक्षा,जैसे हमें एक को चुनना है।

अमेरिका में लाखों लोगों को सरकारी नौकरी से निकालेंगे विवेक रामास्वामी

बोले-मस्क का तरीका अपनाएंगे, देश को बचाने के लिए यह जरूरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी ने सरकारी नौकरियों में बड़े पैमाने पर कटौती का संकेत दिया है। एजेंसी के मुताबिक रामास्वामी ने फ्लोरिडा में गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि वे मस्क के साथ मिलकर लाखों सरकारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से निकाल देंगे। वे इसी तरह से देश को बचाने जा रहे हैं। रामास्वामी ने कहा- अगर आप मस्क के काम करने के तरीके को जानते हैं तो आपको पता होगा कि वे 'छेनी' की तरह नहीं, बल्कि 'आरी' के जैसे काम करते हैं। हम ब्यूरोक्रेसी में उनका ये तरीका अपनाने जा रहे हैं। यह देखना काफी मजेदार होगा। अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में रामास्वामी और टेस्ला चीफ इलॉन मस्क को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है।

वंदे भारत स्लीपर का होगा शानदार आगाज

चलने वाली हैं 10 ट्रेनें! रेलवे का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन वंदे भारत को लेकर यात्रियों के साथ-साथ रेलवे भी काफी उत्साहित है। वंदे भारत की सफलता के बाद अब जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरुआत की जाएगी। भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। लंबे इंतजार के बाद, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को 2025-26 तक लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। यह ट्रेनें लंबी दूरी के सफर को आरामदायक, विश्वस्तरीय सुविधाओं और आधुनिक डिजाइन के साथ पेश की जाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रेलवे 2025-26 तक 10 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है। भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के 2025 में परीक्षण और ट्रायल रन के बाद शुरू होने की संभावना है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) के महाप्रबंधक, यू. सुब्बा राव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर से दो महीने के लिए इन ट्रेनों का ऑसिलेशन ट्रायल और अन्य परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद इन्हें व्यावसायिक सेवा में लाया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इन ट्रेनों को हाई पावर वाले ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील से बनाया गया है। इनमें क्रैश बफर और विशेष रूप से डिजाइन किए गए कपलर्स जैसे उन्नत सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं, जो आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। इन ट्रेनों में कुल 16 कोच होंगे और ये 823 यात्रियों को ले जाने की क्षमता रखेंगी।

संक्षिप्त समाचार

अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी पार्टी के प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने दी। उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली।

उन्होंने पोस्ट में लिखा- शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आज पार्टी की कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया, ताकि नए अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने उन्होंने अपने नेतृत्व के दौरान समर्थन और सहयोग के लिए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। करीब 3 महीने पहले सुखबीर बादल को धार्मिक सजा सुनाई गई थी।

पाकिस्तान में सेना के कैंप पर हमला, 7 जवानों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक बार फिर अलगाववादियों ने सेना के कैंप पर हमला बोला है। बलूचिस्तान के कलात में एक सैन्य शिविर पर शुक्रवार रात को हुए हमले में कम से कम 7 पाकिस्तानी जवानों की मौत हुईहै और 15 अन्य घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने मीडिया को भेजे एक एक बयान में हमले

की जिम्मेदारी ली है। न्यूज आउटलेट खुरासान डायरी ने इस हमले के बारे में जानकारी दी है। एक सप्ताह के भीतर यह बलूच विद्रोहियों का दूसरा बड़ा हमला है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कलात में हुए हमले में फ्रंटियर कॉर्प्स के सात जवानों की मौत हो गई और पंद्रह अन्य घायल हो गए।

'एक हैं तो सेफ हैं' नारे का हिंदू से कोई लेना देना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव में इस बार बीजेपी की तरफ से हिंदुत्व कार्ड पर काफी खेला जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर पीएम मोदी तक ने हिंदू वोटरों को एकमुश्त करने के लिए रणनीति बना रखी है। लेकिन अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे का असल मतलब बता दिया है। बड़ी बात यह है कि उनकी परिभाषा में कहीं भी हिंदू धर्म का जिक्र तक नहीं है। खास बातचीत करते हुए सीएम शिंदे ने दो टूक कहा कि हम लोग यह चुनाव विकास के मुद्दे पर ही लड़ रहे हैं। लेकिन जब पीएम मोदी बोलते हैं कि हम सभी को एकजुट रहना चाहिए, वे किसी भी धर्म का जिक्र नहीं कर रहे हैं, किसी विशेष जाति की बात नहीं कर रहे।

नहीं हो पाई शिनाख्त पैरेंट्स का नंबर भी ऑफ

- झांसी अस्पताल अग्निकांड में अब होगी डीएनए जांच
- 10 नवजात बच्चे जिंदा जले, 8 बच्चों का पता ही नहीं
- मेडिकल कॉलेज दौरे से पहले साफ-सफाई,चूना डाला गया
- अस्पताल प्रशासन पर भड़के डिप्टी सीएम,बोले-ऐक्शन लेंगे

झांसी (एजेंसी)। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई। वार्ड की खिड़की तोड़कर 39 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अभी तक 8 बच्चों की सूचना नहीं मिल पाई है। शनिवार सुबह उनके परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंच गए और हंगामा कर दिया। हादसा रात करीब साढ़े 10 बजे हुआ। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग के चलते आग लगी, फिर धमाका हो गया। पूरे वार्ड में आग फैल गई। वार्ड बॉय ने आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) चलाया, मगर वह 4 साल पहले ही एक्सपायर हो चुका था, इसलिए काम नहीं किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं। खिड़की तोड़कर पानी की बौछारें मारीं। भीषण आग को देखते हुए सेना को बुलाया गया। करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया। हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि एक तरफ हॉस्पिटल में चीख-पुकार मची हुई थी। दूसरी तरफ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के पहुंचने से पहले सड़क की सफाई और चूना डाला जा रहा है। हालांकि जिन बच्चों की मौत हो गई, उनमें से कुछ अभी भी ऐसे हैं जिनकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। गार्जियन का मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ बता रहा है। अब डीएनए जांच कराए जाने की बात कही जा रही।

कांकेर में नक्सलियों का एनकाउंटर

5 नक्सली किए गए ढेर,शव बरामद,मुठभेड़ जारी

रायपुर (एजेंसी)। नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में मओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने के बाद सर्चिंग में निकली संयुक्त जवानों की टीम के द्वारा जवानों और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में 5 नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। वहीं दो जवान घायल हुए हैं। इस मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान भी घायल बताए जा रहे हैं। एक जवान खिलेश्वर गावड़े के सिर और दाहिने हाथ पर गोली लगी है, वहीं दूसरे का नाम हीरामन यादव बताया जा रहा है जिनके दाएं पैर के जांघ में गोली लगी है। यह मुठभेड़ कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर स्थित माड़ इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। मारे गए नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि दोनों घायल जवानों के लिए बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच गोलीबारी अभी भी जारी है। नारायणपुर कांकेर में नक्सली मुठभेड़ के दौरान दो घायल जवानों को इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया गया।

कनाडा के बाद अब यूके में शुरू हुआ भारत विरोधी काम

ओट्टावा (एजेंसी)। कनाडा के बाद अब एक और पश्चिमी देश ब्रिटेन में भी भारतीयों को रोकने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इंग्लैंड में उच्च शिक्षा क्षेत्र की स्थिरता पर एक नयी रिपोर्ट से पता चला है कि भारतीय छात्रों को ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में आवेदन करने से रोका जा रहा है। ऐसे समय में जब शिक्षा संस्थान पहले ही सीमित बजट का सामना कर रहे हैं, इसने विश्वविद्यालयों के वित्तीय संकट को बढ़ा दिया है। शुक्रवार को जारी 'ऑफिस फॉर स्टूडेंट्स' विश्लेषण से पता चलता है कि भारतीय छात्रों की संख्या में 20.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

मणिपुर में 2 बच्चों समेत तीन लोगों के शव मिले

लापता मैतेई परिवार के होने की संभावना,होगा बवाल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में एक महिला और दो बच्चों के शव शुक्रवार को जिरी नदी में बहते मिले। इन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। ये शव सोमवार को मुठभेड़ के बाद से लापता हुए लोगों के हो सकते हैं। सोमवार को वर्दी पहने हथियारबंद उग्रवादियों ने बोरोब्रेका थाना परिसर और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। इसमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। इस दौरान जिरीबाम जिले के बोरोब्रेका थाना परिसर स्थित राहत शिविर से 6 लोग लापता हो गए थे। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई थी कि हमला करने वाले उग्रवादियों ने महिलाओं और बच्चों का अपहरण किया है। इनकी तलाश की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं।

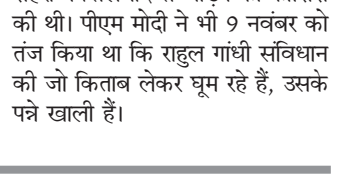

दो दिवसीय दौरे पर नाइजीरिया रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

- 17 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह दौरा, करेंगे बड़ी चर्चा

अबुजा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार लगभग डेढ़ बजे नाइजीरिया दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। वे राष्ट्रपति अहमद टिनूबू के न्योते पर पहली बार नाइजीरिया जा रहे हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का 17 साल में पहला नाइजीरिया दौरा होगा। मोदी से पहले साल 2007 में तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह नाइजीरिया के दौरे पर गए थे। पीएम मोदी रविवार को राष्ट्रपति टिनूबू से मुलाकात करेंगे। उनके बीच भारत-नाइजीरिया के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके बाद मोदी राजधानी अबुजा में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। नाइजीरिया में 150 से ज्यादा भारतीय कंपनियां हैं, जिनका करोड़ से ज्यादा का कारोबार है।

धारावी की जमीन अडाणी को देने चुराई महाराष्ट्र की सरकार

राहुल गांधी बोले-मोदी बंद कमरों में संविधान की हत्या करते हैं

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा- नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोग बंद कमरों में संविधान की हत्या करते हैं। जब महाराष्ट्र की सरकार को चोरी करने की मीटिंग में अडाणी, अमित शाह और आरएसएस के लोग बैठे थे, तब क्या वो संविधान की रक्षा कर रहे थे। आज पूरा महाराष्ट्र जानता है कि वो सरकार धारावी के कारण चोरी की गई, क्योंकि संघ-नरेंद्र मोदी धारावी की जमीन अपने मित्र अडाणी को देना चाहते थे। दरअसल, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि 2019 में भाजपा-एनसीपी के बीच सरकार बनाने के लिए जो डील हुई थी उसके लिए कई बैठकें हुईं। इन बैठकों में उद्योगपति गौतम अडाणी भी शामिल थे। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को वोटिंग होनी है। कांग्रेस महाविकास अघाड़ी गठबंधन में सबसे ज्यादा 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राहुल बोले- भाजपा-संघ समझती है संविधान की किताब खोखली है। संविधान की किताब देश की पहचान है। इसमें शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और अंबेडकर की सोच है, लेकिन भाजपा और संघ के लोग यह बात नहीं समझते हैं। उनके लिए यह खोखली किताब है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 4 दिन पहले प्रचार के लिए अमरावती पहुंचे राहुल गांधी ने कहा- संविधान की किताब हमारे लिए सिर्फ एक किताब नहीं है। इस किताब में जो लिखा है, उसके लिए हजारों साल से हिंदुस्तान में लोग लड़ रहे हैं और मर रहे हैं। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा दिखाई जाने वाली लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की थी। पीएम मोदी ने भी 9 नवंबर को तंज किया था कि राहुल गांधी संविधान की जो किताब लेकर घूम रहे हैं, उसके पन्ने खाली हैं।

सांस अभियान पर उन्मुखीकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा सोशल अवेयरनेस एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुली सांस अभियान के लिए उन्मुखीकरण का आयोजन चिरायु मेडिकल कॉलेज में किया गया है। जिसमें बाल मृत्यु दर को कम करने के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डर्स को सांस अभियान की जानकारी दी जाएगी। उन्मुखीकरण में चिकित्सकों और मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निमोनिया के लक्षणों की शीघ्र पहचान, प्रबंधन और उपचार के संबंध में विषय विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक बताया जाएगा। उन्मुखीकरण में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं मैदानी कार्यकर्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, पीपुल्स मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, एल एन मेडिकल कॉलेज, आरकेडीएफ, महावीर मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विशेषज्ञ और चिकित्सक शामिल होंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि 12 नवंबर से सांस अभियान संचालित किया जा रहा है। 28 फरवरी तक संचालित इस अभियान में निमोनिया की रोकथाम, बचाव , सावधानियों के बारे में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। साथ ही निमोनिया के प्रति फैली कुरीतियों एवं अंधविश्वास में कमी ले जाने के संबंध में जानकारी दी जा रही है। अभियान में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा 5 साल तक की उम्र के बच्चों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

प्रदेश के स्कूलों में स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान पर केन्द्रित कार्यक्रम हुए शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में भगवान बिरसा मुंडा जंयती पर आज से कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। यह कार्यक्रम 25 नवम्बर तक चलेंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को गरिमापूर्ण माहौल में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किये है। इस दौरान स्कूलों में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित कर बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में दिये गये योगदान और स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय समाज द्वारा दिये गये योगदान और उनकी भूमिका पर संगोष्ठी की जायेगी। इसी के साथ उन पर केन्द्रित विशेष मॉडयूल तैयार कराये जायेंगे। बच्चों को जनजातीय संग्रहालयों में शैक्षणिक भ्रमण कराया जायेगा। बच्चों को जनजातीय समुदाय के घरों का भ्रमण कराकर जनजातीय समुदाय की समृद्ध परम्पराओं और जीवनशैली से परिचित कराया जायेगा। स्कूल के बच्चों को जनजातीय समुदाय की संस्कृति, इतिहास, उनके योगदान तथा जनजातियों की समृद्ध विरासत की जानकारी देने के लिये विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान कराये जायेंगे। स्कूल के बच्चों को जनजातीय समाज की समृद्ध परम्परा से अवगत कराने के लिये भित्ति चित्र संबंधी प्रोजेक्ट कराये जाने के लिये शिक्षकों को कहा गया है। इन चित्रों के माध्यम से बच्चों को जनजातीय अंचलों में वन संपदा और वन्यजीवों के बारे में भी जानकारी दी जायेगी।

तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी के लिए पर्यटक ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। जो 16 दिसंबर को इंदौर शहर से दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी यह ट्रेन मध्यप्रदेश के इंदौर, देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल स्टेशनों से होते हुए जाएगी। जहां से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 9 रातें 10 दिनों की इस यात्रा में तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी एवं त्रिवेन्द्रम के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। आईआरसीटीसी के अधिकारियों की माने तो भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रैक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक?त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था,टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउस कीपिंग की सेवा शामिल है। इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेलवे स्टेशन कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय-2 में ग्रैंडपेरेंट्स डे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक- 2 भोपाल में शनिवार को वरिष्ठ अभिभावक दिवस(ग्रैंडपेरेंट्स डे) हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख पी.के. बेदुये, उप प्राचार्य अंजना धनराजू, प्रधानाध्यापिकासुषमा देवी गुप्ता तथा सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त एस.एन. शर्मा का स्वागत तिलक व चंदन लगाकर किया गया। इस मौके पर छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबकी सराहना बटोरी, नाटक की प्रस्तुति से वरिष्ठ जनों के सम्मान का संदेश दिया।

सृजन का संदेश देता है बोनसाई-मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि व्यक्ति अगर सार्थक रूप से समाज के माध्यम से प्रकृति को आगे बढ़ाना चाहे तो बोनसाई जैसी कलाकृति सृजित होती है। प्रकृति से जोड़कर नई कलाकृति देना ही बोनसाई है। बोनसाई हमेशा सृजन का संदेश देता है। मंत्री श्री सारंग ने यह बात शुक्रवार को गुलाब उद्यान में तीन दिवसीय बोनसाई प्रदर्शनी का शुभारंभ कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करें पर्यावरण को आगे बढ़ाएं ताकि आने वाली पीढ़ी इस दुनिया में स्वच्छ वातावरण में रह सके। दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए हमें सृजन की ओर जाना पड़ेगा। हर वर्ग, हर सेक्टर में प्रकृति के साथ सृजन की जरूरत है।

लेक सिटी बोनसाई एसोसिएशन के तत्वावधान में 15 से 17 नवंबर तक तीन दिवसीय बोनसाई प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन लिंक रोड नंबर एक स्थित गुलाब उद्यान में किया गया है। प्रदर्शनी में 400 से अधिक बोनसाई पौधों की अनूठी प्रतिकृतियों प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी 16 और 17 नवंबर को सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक खुली रहेगी। इस मौके पर भोपाल लेक सिटी बोनसाई एसोसिएशन की संस्थापक सदस्य अरुंधति तिवारी और देश-विदेश से आए विशेषज्ञ उपस्थित थे। इंडोनेशिया के बोनसाई विशेषज्ञ ययात हिदायत, अधित्य आजी पमुनगकास के साथ ही सौमिक दास नई दिल्ली, अनुपमा वडेचला बेंगलुरु, गोविंद राज हैदराबाद आदि बोनसाई प्रेमियों को इस विधा की बारीकियों से अवगत करवाया। भोपाल के 40 साल से ज्यादा समय से बोनसाई से जुड़े लोगों ने संग्रह का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में जैड, मधुकामिनी, फाइकस, बुद्धा पीपल के 50 से 55 साल पुराने पेड़ विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहे। इन्हें बड़े गमलों में विशेष आकार दिया गया। कार्यक्रम में चेयरमेन श्री मनीष श्रीवास्तव, अध्यक्ष श्री जे. एस. बिंद्रा, सचिव श्री दीपक नलावडे सहित पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन तत्परता से किया जाए-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। इसमें किसी के भी स्तर पर लापरवाही नहीं होना चाहिए। श्री तोमर शिवपुरी में विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये। मंत्री श्री तोमर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को चिकित्सालय में सुरक्षा गार्ड, पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट साफ सफाई के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं में जिन चीजों की कमी है, उसके संबंध में जनसहयोग के लिए मीटिंग में प्रस्ताव रखें।

अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रावास में खाने-पीने की

व्यवस्था ठीक रहे। स्कूल और छात्रावास में स्टाफ उपलब्ध रहे। आंगनवाड़ी में बच्चों को दिया जाने वाला सुबह का नाश्ता गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। नल जल योजना का भौतिक सत्यापन कराया जाए। काम में गुणवत्ता का ध्यान रहे। विधानसभा स्तर पर प्रत्येक माह जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन करें। इसमें लोगों की समस्याएं सामने आएंगी। उनका समय-सीमा में निराकरण करें। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से हो। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागीय अधिकारी को चिन्हित कर एक अधिकारी को हर महीने सम्मानित किया जाएगा।

संस्कृति की रक्षा करने में जनजातीय समुदाय का अहम योगदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा हैकि संस्कृति की रक्षा करने में जनजातीय समुदाय का अहम योगदान है। राज्य सरकार इन जनजातीय महापुरूषों के द्वारा स्थापित मूल्यों और आदर्शों को लोगों के सामने लाने के लिये सदैव तत्पर है। मंत्री श्री सिंह आज नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा क्षेत्र के ग्राम डंगहा-चांदनखेड़ा में हुए भगवान बिरसा मुंडा जंयती समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना के लिये भूमि-पूजन भी किया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी ने आज धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में जरूरी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। इसमें बुनियादी ढांचा विकसित करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा एवं स्वस्थ जीवन प्रमुख है। कार्यक्रम में मौजूद जनजातीय समुदाय के लोगों से हुए संवाद में मंत्री श्री सिंह ने कहा कि डंगहा में भव्य एवं आकर्षक मैरिज भवन बनाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 30 लाख रुपये देने की घोषणा की। मंत्री श्री सिंह ने ग्रामीणों की मांग पर चबूतरा निर्माण के लिये 2 लाख 50 हजार रूपये की स्वीकृति दी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

गुरु नानक देव जी सनातन धर्म के सच्चे संस्थापक थेः राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि गुरु नानक देव जी संत परंपरा के एक ऐसे विचारक थे, जिन्होंने जात-पात और ऊंच-नीच में उलझे हुए समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था। वे सनातन धर्म के सच्चे संस्थापक थे। राज्यमंत्री श्रीमती गौर आज सोनागिरी कॉलोनी में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने शिव मंदिर सोनागिरी ए सेक्टर में 9 लाख 50 हजार की लागत से बनने वाले शेड निर्माण का भूमिपूजन भी किया।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि सिख धर्म के प्रथम गुरु और संस्थापक गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिंधु सोशल सर्कल, भेल द्वारा हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी, श्रद्धा, आस्था, और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई

और शुभकामनाएं दी। श्रीमती गौर ने कहा कि 555 वर्ष पूर्व देश में मुगलों का शासन था, हम विचार करें, कितना कठिन समय रहा होगा, कितना मुश्किल भरा समय था, मुगलों के अत्याचारों और मुगलों की प्रताड़ना झेलते हुए कोई संत सनातन धर्म की बात कैसे कर सकता था, लेकिन मुश्किल परिस्थितियों में भी गुरु नानक देव जी ने सनातन धर्म की ध्वजा को हाथ में लेकर संपूर्ण समाज में सनातन धर्म की अलख जगाई। गुरु नानक देव जी के संदेश आज के समय में भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर श्री गिरीश शर्मा, पार्षद श्रीमती छाया ठाकुर, श्री प्रदीप लोधी, श्रीमती ममता मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती मधु शिवनानी, श्री मनोज विश्वकर्मा, संजय शिवनानी, श्री डी डी मेघानी आदि मौजूद रहे।

2 महीने बीते, नहीं हुई भोपाल निगम की मीटिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग न होने पर नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता ज़की ने अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा है कि या तो बैठक कराई जाए या परिषद को भंग कर दिया जाए, क्योंकि नियमानुसार दो महीने में मीटिंग होना अनिवार्य था, लेकिन ढाई महीने का समय बीत चुका है। नेता प्रतिपक्ष ज़की ने कहा कि निगम परिषद की पिछली मीटिंग 2 सितंबर को हुई थी। नियमानुसार अगली मीटिंग 2 नवंबर को होनी चाहिए थी,

लेकिन अब 15 दिन से ज्यादा समय बीत चुका है। इसके बावजूद न तो मीटिंग की तारीख तय हुई है और न ही कोई एजेंडा सामने आया है। यह नियमों का उल्लंघन है। इसलिए अध्यक्ष से मांग की गई है कि यदि बैठक करने के लिए समय नहीं है, तो परिषद को भंग कर दिया जाए। कांग्रेस पार्षद दल का कहना है कि मौजूदा परिषद की अब तक हुई सभी बैठकें केवल औपचारिकता मात्र रही हैं। इनमें जनता के मुद्दों को शामिल नहीं किया गया। पार्षदों का कहना है कि जनता के मुद्दों को उठाने के लिए ही बैठक जल्द कराने की मांग की जा रही है। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि जल्द ही निगम परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी और इसका एजेंडा भी जारी किया जाएगा। सोमवार को तारीख तय कर ली जाएगी।

किसानों, लाड़ली बहनों के लिए पैसे नहीं; कर्ज लेकर सरकारी पर्यटन पर जा रहे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए इंग्लैंड और जर्मनी के दौरे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसा है। साथ ही एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप और रतलाम कलेक्टर की कार्यशैली पर भी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों, लाड़ली बहनों के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है और सरकारी पर्यटन के लिए इंग्लैंड, जर्मनी जा रहे हैं। वहीं इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बीच कई उद्योगों में ताला लगने की बात भी कांग्रेस की ओर से

कही जा रही है। बीजेपी ने कांग्रेस के ट्वीट पर पलटवार किया है। पीसीसी चीफ ने एक्स पर लिखा- उज्जैन में महाकाल लोक के बाद बढ़े पर्यटन ने हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अंदर के पर्यटक को भी जगा दिया है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की असफलता से मन नहीं भरा, तो मोहन भैया अब विदेशी निवेशकों को न्यौता देने इंग्लैंड और जर्मनी जाने की तैयारी कर रहे हैं। कर्ज लेकर चल रही सरकार के पास किसानों और लाड़ली बहनों को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन सरकारी पर्यटन की लग्ज़री में करोड़ों फूंका जा रहा है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा- मुख्यमंत्री %मौन यादव% को जब इतिहास याद करेगा तो मध्यप्रदेश के सबसे विफल मुख्यमंत्री के रूप में याद करेगा। सिंघार के मुताबिक, इनकी सरकार जितने चाहे %मेगा बिजनेस कॉन्क्लेव% आयोजित कर ले, जब तक ज़मीनी स्तर पर सुधार नहीं होंगे, प्रदेश में कोई निवेश नहीं आएगा। उन्होंने एमएसएमई मंत्री को घेरते हुए लिखा- क्या उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप और रतलाम कलेक्टर की कोई सांठगांठ है? या कोई और वजह है जिसके चलते ये मनमाने फैसले थोपे जा रहे हैं? उद्योगपति इतने हताश हो गए हैं कि वे अपने उद्योग बंद कर ताला लगा कर चाबी आपको देने का निर्णय कर रहे हैं।

19 से 24 नवंबर तक विश्व धरोहर सप्ताह,

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 19 से 24 नवंबर तक विश्व धरोहर सप्ताह मनाया जाएगा। जिसके तहत राज्य संग्रहालय, राजधानी में एक विशेष बहुआयामी कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर में %विश्व धरोहर सप्ताह% को भारतीय धरोहर के संरक्षण से संबंधित कई कार्यक्रम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन धार्मिक पर्यटन एवं सस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा किया जाएगा। विश्व धरोहर सप्ताह कार्यक्रम भोपाल के राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, ग्वालियर के गुजरी महल, जबलपुर के रानी दुर्गावती संग्रहालय, इंदौर के इंदौर संग्रहालय एवं उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय में होंगे। हालांकि कार्यक्रमों की अभी रूप रेखा तैयार की जा रही है।

जल्द ही कार्यक्रमों की पूरी रूप रेखा जारी की जाएगी।

विश्व धरोहर सप्ताह के पहले दिन (19 नवंबर) एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस व्याख्यान का विषय होगा %विश्व विरासत%, जिसमें देश-विदेश की धरोहर से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र यादव, उमाकांत पचौरी और डॉ. सीएस सक्सेना इस विषय पर अपने अनुभव साझा करेंगे। यह व्याख्यान आम जनता के लिए खुला रहेगा।

इस दौरान भारतीय प्राचीन स्मारकों पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी, व्याख्यानमाला एवं सांस्कृतिक लोक नृत्य का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 नवंबर को होगा और इसे पूरे सप्ताह 24 नवंबर तक देखा जा सकेगा।

विश्व धरोहर सप्ताह के तहत आयोजित किए जाने वाले अन्य कार्यक्रमों में युवाओं और विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से वे अपनी धरोहर से संबंधित ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। साथ ही एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। जहां प्रतिभागी अपनी कला के माध्यम से धरोहर की महत्ता को उजागर करेंगे। विरासत यात्रा के माध्यम से भी इस सप्ताह के दौरान लोगों को विभिन्न धरोहर स्थलों की यात्रा का अनुभव कराया जाएगा। जिससे उन्हें हमारे सांस्कृतिक धरोहर की गहरी समझ हो सके।

फर्जी लेडी सब इंस्पेक्टर ने ठगे 70 हजार

महिला को थाने में नौकरी का झांसा दिया, पकड़ी गई तो खुद को बताया थानेदार

आई है सीधी: अभिषेक उपाध्याय

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश के सीधी में एक महिला ने खुद को सब इंस्पेक्टर बताकर दूसरी महिला को थाने में नौकरी का झांसा देकर ठग लिया। उससे 70 हजार रुपए भी ले लिए। जब पीड़ित महिला को नौकरी नहीं मिली तो उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद शुक्रवार शाम फर्जी लेडी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया हैं। जब पकड़ी गई तो उसने खुद को जमोड़ी थाना का थानेदार बताया।

पूरा मामला जमोड़ी थाना क्षेत्र के गांव तेंदुआ का है। पीड़ित महिला का नाम शांति साकेत हैं। शांति ने बताया, इसी साल 8 जुलाई को गांधी चौक पर उसकी मुलाकात एक महिला से हुई। फर्जी अफसर ने अपना नाम रेखा उर्फ अनारकली साकेत (25) बताया था। फर्जी अफसर ने मुझसे पूछा कि 'क्या मैं झाड़ू पोंछा का काम कर लेती हूं?' मेरे हामी भरने पर उसने मुझे सरकारी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया।

सफाईकर्मी के रिटायर होने तक इंतजार करने को कहा: शांति ने बताया, मैं फर्जी अफसर की बातों में आ गई। उसके साथ शहर स्थित उसके किराए के मकान में चली गई। फर्जी अफसर ने बताया कि थाने में महिला सफाई कर्मचारी रिटायर होने वाली है। उसकी जगह तुमको नौकरी दिलवा दूंगी। इसके लिए 70 हजार रुपए देने पड़ेंगे। मैंने सरकारी नौकरी के लालच में उसे रुपए दे दिए।

आरोपी से महिला थानेदार की वर्दी जब्त: मामले को लेकर थाना प्रभारी कोतवाली अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला के घर दबिश दी। जहां से फर्जी लेडी सब इंस्पेक्टर रेखा साकेत उर्फ अनारकली को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से थानेदार की वर्दी और अन्य सामग्री भी मिली है।

सिंगरौली जिले के देवसर से आई है सीधी: अभिषेक उपाध्याय ने आगे बताया कि फर्जी महिला एसआई की उम्र 25 साल है। आरोपी सिंगरौली जिले के देवसर की रहने वाली है। महिला शादीशुदा है और उसके पति का नाम लवकेश साकेत है। उसका पति बाहर मुंबई में मजदूरी का काम करता है।

आरोपी महिला 6 महीने पहले सीधी आई है। जहां अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए उसने एक स्कूल में एडमिशन कराया है। बच्चे की उम्र 5 साल है। आरोपी महिला जोगीपुर में एक किराए के मकान में अकेले रहती थी। उसने कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई की है।

पुलिस ने यूपी के नशा विक्रेताओं को पकड़ा, 1.44 लाख रूपये की बनाई जप्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस के अनुसार मुखविर से सूचना मिली कि हनुमना तरफ से यूपी पासिंग स्पेलण्डर से दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ ऑनरेक्स कफसिरप लेकर विक्री हेतु लेकर आ रहे है। थाना प्रभारी अमिलिया ने वरिष्ट अधिकारियों को अवगत कराया और रेड़ कार्यवाही हेतु एक टीम गठित कर मुखबिर के बताये अनुसार स्थान कोदौरा तिराहा पर भेजा गया। जहा कुछ देर बाद हजरत बिलाल पिता मो. हनीफनिवासी रामपुर कला कोरांव जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश एवं बाइक में पीछे बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछने पर उसका नाम सोनू खान पिता लियाकत खान उम्र 28 वर्ष निवासी झामडगंज जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश का होना बताया। संदेही के मोटर सायकल पर रखी कपडे की तैली की तलाशी ली गई तो 10 पॉलीथीन में ऑनरेक्स कफसिरप मिली जिसे समक्ष गवाहों के खोलकर चेक किया गया। जिसमे 300 शीशी नशीली कफसिरप कीमती 54000 रूपये मिली। पुलिस द्वारा आरोपी से उक्त अबैध नशीली आनरेक्स कफ शीरप एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल अनुमानित कीमत 80 हजार एवं मोबाईल फोन कीमती 10 हजार कुल कीमत 1 लाख 44 हजार की जप्ती की जाकर आरोपी का उक्त कृत्य धारा 5/13 म.प्र. ड्रग्स कंट्रोल अधिण् एवं 8/21, 22, 27, एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने पर अपराध कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण को विवेचना में लिया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

ट्रैक्टर से टकराई बाइक, कल्टीवेटर से फंसकर 200 मीटर तक घिसटता रहा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। जिले के देवगांव के पास शुक्रवार रात एक बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। युवक बाइक से जा रहा था, तभी उसकी बाइक ट्रैक्टर से टकरा गई। युवक ट्रैक्टर के कल्टीवेटर में फंस गया और करीब 200 मीटर तक घिसटता गया। देर रात परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसा गंज रोड पर देवगांव के पास हुआ। शुक्रवार रात 8 बजे जीवन लाल पिता रामचरण अहिरवार उम्र 32 साल निवासी ओटा पुरवा घर से ससुराल जाने के लिए बाइक निकला था, तभी देवगांव के पास एक ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना के बाद युवक ट्रैक्टर के कल्टीवेटर में फंस गया और करीब 200 मीटर दूर तक घिसटता गया। बाद में ट्रैक्टर बैक कर उसे निकाला गया।

वहीं, घटना की जानकारी गांव के एक व्यक्ति ने परिजनों को दी परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय युवक ने दम तोड़ दिया। शनिवार की सुबह 10 बजे अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा बनाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। वहीं, थाना पुलिस मामले की जांचमें जुट गई है।

200 मीटर तक घिसटते गया युवक: मृतक जीवन के भाई राजाराम ने बताया कि रात में गांव के एक व्यक्ति ने घटना की जानकारी दी थी। भाई घर से ससुराल जाने के लिए निकला था, तभी गांव के ट्रैक्टर चालक राममिलन पटेल ने बाइक में टक्कर मार दी। वहीं, बाइक ट्रैक्टर में फंस गई उसे 200 मीटर तक घसीटा। उसके बाद ट्रैक्टर चालक भाग गया। राजाराम का कहना है कि हम लोगों की ट्रैक्टर चालक से कोई बुराई नहीं है।

वहीं, बबीना थाना प्रभारी मोहर सिंह ने बताया कि इस मामले में शिकायत पर 281,106,184 की धारा में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

कुल्हाड़ी लेकर घर में घुसे बदमाश

रुपयों की मांग करते हुए की मारपीट, सीसीटीवी आया सामने, एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में जमीन विवाद में दो लोगों ने घर में घुसकर एक परिवार के साथ मारपीट की। आरोपी हथियार लेकर बाइक से आया और मारपीट कर धमकी देते हुए वहां से रवाना हो गया। मामला दो दिन पुराना है, जिसका सीसीटीवी शनिवार को सामने आया। पुलिस ने मामले में फरियादी के शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

फरियादी श्रीकांत शुक्ला (24) निवासी पंचवटी कॉलोनी महर्षि विद्या मंदिर के पास देरी रोड ने पुलिस को बताया कि वह मथुरा-वृंदावन में रहकर एक कंपनी में नौकरी करता है। काम के सिलसिले में छतरपुर अपने घर आया था। गुरुवार दोपहर माता-पिता घर पर नहीं थे। मैं अपनी दादी और बहन घर पर था।

तभी सर्वेश द्विवेदी और सत्येंद्र द्विवेदी कुल्हाड़ी लेकर घर में घुसे और उसे गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पैसों की मांग की। उन्होंने पहले भी मुझे धमका कर पुराने लेनदेन को लेकर 20 हजार रुपए लिए थे। इस बार मैंने पैसे देने से मना किया तो उन्होंने मारपीट की है।

शुक्रवार को थाने में एफआईआर दर्ज कराई: माता-पिता के लौटने के बाद हमने सिविल लाइन थाने में शिकायत की। वहीं, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि हमने आरोपियों से जमीन खरीदी थी। जिसके पैसे दे दिए थे उसके बाद भी वो और रुपए की मांग करते हैं। युवक ने आरोप लगाया है कि 2 दिन से पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपियों को एक या दो दिन में गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनजतीय गौरव दिवस पर कुशमहर में कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नेहरू युवा केन्द्र सीधी द्वारा शुक्रवार को जनजतीय गौरव दिवस पर बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर ग्राम कुशमहर सीधी में बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जनजतीय कलाकारों द्वारा कर्मा, सैला, नृत्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उपरान्त डी.डी. सिंह चौकी प्रभारी बम्हनी, अजय प्रताप सिंह सरपंच कुशमहर, प्रभात कुमार वर्मा पूर्व जनपद उपाध्यक्ष, मनोज कोल पूर्व जनपद सस्दय के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम आयोजक अर्जुन सिंह लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक नेहरू युवा केन्द्र सीधी द्वारा बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डाला गया और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उनके द्वारा किये गये कार्यो को याद किया। कार्यक्र म में संतोष कुमार, अरूण प्रताप सिंह ओबरहा, रोशनलाल सिंह ओबरहा एवं समस्त ग्रामीण जनों का सहयोग सराहनीय रहा।

चरवाहे और मवेशियों की मौत, तेज रफ्तार बोलेरो ने दोनों को कुचला, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। पन्ना के देवलौंद थानाक्षेत्र अंतर्गत जगमल में शनिवार दोपहर मवेशी चरा रहे अधेड़ को तेज रफ्तार बोलेरो ने कुचल दिया। घटना में अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही बोलेरो की चपेट में आने से दो मवेशियों ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद नाराज लोगों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। ग्रामीणों ने घटना के बाद फरार ड्राइवर की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम किया: मामले में पुलिस ने बताया कि त्रिभुवन पिता राम शरण (55) निवासी जगमल अपने मवेशियों को लेकर सड़क किनारे लगे जंगल में चरा रहा था। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने उसे कुचल दिया। जिसकी चपेट में आने से अधेड़ और उसके दो मवेशियों की मौके पर मौत हो गई। घटना देख स्थानीय लोग मौके पर दौड़ पड़े। जब तक वाहन छोड़कर बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। अधेड़ और मवेशियों की मौत से नाराज लोगों ने सड़क पर बैठकर मार्ग को जाम कर दिया। यह मार्ग समधिन से बुढ़वा गांव को जोड़ता है।

घटना की जानकारी मिलते ही देवलौंद थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद सड़क से जाम हटवाया। ग्रामीणों की मांग थी कि वाहन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। जिसे जल्द से जल्द पकड़ा जाए। इसी मांग को लेकर लोगों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया था। थाना प्रभारी डी के दहिया ने बताया कि मौके से बोलेरो वाहन को जब्त किया गया है। चालक की तलाश पुलिस कर रही है। दुर्घटना में अधेड़ और दो मवेशियों की मौत हुई है। पुलिस मामले पर जांच कर रही है। बोलेरो वाहन के नंबर से पुलिस चालक और वाहन मालिक का पता लगा रही है।

जिले में चला नशे के विरूद्ध अभियान -7 किलोग्राम गांजा, 500 अल्प्राजोलम के साथ 6 आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस द्वारा एक बार फिर छापामार कार्यवाही दौरान अलग अलग आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं नशीली टेबलेट प्राप्त हुई। जिसके संबंध में आरोपियों से वैद्य दस्तावेज की मांग की गई लेकिन उनके द्वारा कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नही किये गये। आरोपियों का उक्त कृत्य एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20बी एवं ड्रग कन्ट्रोल एक्ट की 5/13 के दण्डनीय अपराध पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है।

चौकी प्रभारी टिकरी उनि पुष्पेन्द्र सिंह 3.160 किलोग्राम गांजा कीमत 31600 रूपये जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। चौकी प्रभारी मड़वास उनि केदार परौहा द्वारा आरोपी अखिलेश सिंह बरगाही पिता केमला सिंह बरगाही उम्र 28 वर्ष निवासी मड़वास के कब्जे से 500 नग अल्प्राजोलम नशीली टेबलेट कीमती 2000 रूपये जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इसी प्रकार थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय द्वारा मुखविर सूचना के आधार पर रेड़ कार्यवाही कर आरोपी बविता कोल पति स्व.भगवती कोल उम्र 56 वर्ष निवासी उँची हवेली थाना कोतवाली के कब्जे से 950 ग्राम गांजा कीमती 9000 रूपये जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20बी के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राकेश बैस द्वारा आरोपी सियाराम भुजवा के कब्जे से 1.284 किलोग्राम गांजा कीमती 18000 रूपये जप्त कर मामला पंजीबद्ध किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। थाना प्रभारी जमोड़ी उनि विशाल शर्मा द्वारा मुखविर सूचना के आधार पर रेड़ कार्यवाही कर आरोपी श्यामलाल साहू पिता विश्वनाथ साहू उम्र 35 वर्ष निवासी सुकवारी थाना जमोड़ी के कब्जे से हरे गांजा के पेड़ वजन 1.200 किलोग्राम कीमती 12000 रूपये जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20बी के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इसी प्रकार अन्य प्रकरण को मिलाकर कुल 7.714 किलोग्राम हरा एवं सूखा गांजा, 500 नग नशीली अल्प्राजोलम टेबलेट कीमती 89 हजार रूपये की पुलिस द्वारा जप्ती बनाई गयी।

प्रभारी मंत्री बहरी में जन समस्याओं से हुए रूबरू, निराकरण का दिया आश्वसन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रदेश के कुटीर एवं ग्राम उद्योग ग्राम विकास मंत्री तथा सीधी के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल इन दिनों लगातार जिले का दौरा कर शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ क्षेत्र के विकास के लिए अधिकारी कर्मचारियों को दिशा निर्देश दे रहे हैं। इसी तारतम्य में विभागीय समीक्षा बैठक के बाद गुरुवार को प्रभारी मंत्री बहरी पहुॅचे जहॉ भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत भी किया गया। अपने प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री बहरी में राजकुमार जायसवाल समाज सेवी पिता रामनिहोर जयसवाल के घर जाकर उनके परिजनों का हाल-चाल जाना। इस दौरान सैकड़ो ग्रामींण एवं डीएसपी सीधी गायत्री तिवारी, सिहावल एसडीएम एसपी मिश्रा, बहरी नायब तहसीलदार इंद्रभान सिंह, पटवारी श्यामसुंदर द्विवेदी, थाना प्रभारी बाहरी निरीक्षक राकेश वैश्य, जयसवाल समाज के राष्ट्रीय महासचिव राकेश जयसवाल, बबलू जायसवाल, भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक रमापति जायसवाल, डॉ राहुल जायसवाल एवं अन्य जन उपस्थित रहें।

यूपीएससी और एमपीपीएससी की नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने जनपद पंचायत के सभागार में संचालित यूपीएससी और एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग के छात्र-छात्राओं को करेंट अफेयर्स पर लेक्कचर दे रहे थे। इस दौरान सहायक संचालक नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती, शिक्षिका दीक्षा लोधी, शिक्षक गुरुदेव मिश्रा और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

व्याख्यान के दौरान जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने पीएम विजयलक्ष्मी योजना, सेमीकॉन इंडिया 2024, हूलोंगापार वाइल्डलाइफ सेंचुरी, लॉ कमीशन आदि पर विस्तार से चर्चा की। खेलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कुछ खिलाड़ियों के नाम और उनसे संबंधित खेल के बारे में बताया जैसे अर्जुन इरिगेसी- शतरंज, तनुश्री पांडे- सॉफ्ट टेनिस आदि। साथ ही उन्होंने बताया कि करेंट अफेयर्स से क्रेश्चंस कैसे बनते हैं और कहा कि वह स्वयं प्रत्येक शनिवार को करेंट अफेयर्स की क्लास लिया करेंगे।उल्लेखनीय है कि कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर जिला प्रशासन तथा आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से नि:शुल्क कोचिंग क्लासेज निरंतर रूप से संचालित हो रही है।

ज्वार और अरहर के बीच गांजे की फसल, 50 लाख कीमत के ढाई हजार पौधे जब्त

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले के बृजपुर थाना के पनारी गांव के पास गांजे की खेती को पुलिस ने पकड़ा हैं। खेत मे अवैध रूप से बड़े स्तर पर गांजे की खेती की जा रही थी। सूचना पाकर पन्ना पुलिस ने कार्रवाई की। मौके से 9 क्विंटल 43 किलो 600 ग्राम गांजे के हरे पेड़ जब्त किए हैं। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जिला स्तरीय खो-खो महिला प्रतियोगिता में बनी विजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में जिला स्तरीय खो - खो महिला प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवंबर को किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय सीधी के प्राचार्य डॉ.पी.के. सिंह ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की सीख देते हुए खेल को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की बात कही।

प्रतियोगिता में संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी ने अपना पहला मैच एक इनिंग और 7 पॉइंट से शासकीय महाविद्यालय सिहावल को हराया। फाइनल मैच संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी और शासकीय पी जी महाविद्यालय बैढ़न के बीच में खेला गया, जिसमें संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी ने शासकीय पी जी महाविद्यालय बैढ़न को एक इनिंग और 6 पॉइंट से मात देकर जिला स्तरीय खो-खो महिला प्रतियोगिता की विजेता बनी। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.अनूप मिश्रा ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान किए एवं अन्य खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए खेल आज के जीवन शैली में बहुत ही आवश्यक है।

इस प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी श्यामकली सिंह, संजय गांधी महाविद्यालय सीधी से रही। संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी से सात खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जिसका आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में होगा। इस प्रतियोगिता में संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी से चयनित सभी खिलाड़ियों को प्राचार्य डॉ.पी.के.सिंह एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

विचार

बुलडोजर न्याय पर सुप्रीम रोक के श्वेत और स्याह पक्ष को ऐसे समझिए

राज्य सरकारों के बुलडोजर एक्शन को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने दो टूक कहा है कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेते हैं और इस तरह से अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का मकान केवल इस आधार पर गिराती है कि वह आरोपी है, तो यह कानून के शासन का उल्लंघन है। क्योंकि एक घर होना एक ऐसी लालसा है जो कभी खत्म नहीं होती। हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो। महिलाओं और बच्चों को बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा घर/दुकान व अन्य निजी संपत्तियां ध्वस्त किए जाने से जुड़े नियम तय किए हैं। सर्वोच्च अदालत ने सख्त लहजे में कहा है कि कार्यपालिका, न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती। क्योंकि न्यायिक कार्य न्यायपालिका को सौंपे गए हैं। इसलिए कार्यपालिका अपने मूल कार्य को करने में न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती। राज्य और उसके अधिकारी मनमाने और अत्यधिक उपाय नहीं कर सकते। जब राज्य द्वारा मनमानी आदि के कारण अभियुक्त/दोषी के अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है, तो प्रतिपूर्ति होनी चाहिए। जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेते हैं और इस तरह से अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा है कि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। अगर केवल आरोप के आधार पर वह उसका घर गिरा देती है, तो यह कानून के शासन के मूल सिद्धांत पर आघात होगा। कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर किसी आरोपी की संपत्ति को गिराने का फैसला नहीं कर सकती। कार्यपालिका के हाथों की ज्यादतियों से कानून के सख्त हाथ से निपटना होगा। हमारे संवैधानिक मूल्य सत्ता के ऐसे किसी भी दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। इसे न्यायालय द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में, कार्यपालिका कानून को अपने हाथ में लेने और कानून के शासन के सिद्धांतों को दरकिनार करने की दोषी होगी। अनुच्छेद 19 के अनुसार आश्रय के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया है। इससे स्पष्ट है कि %बुलडोजर जस्टिस% पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सात बड़ी बातें कही है, जो निम्नलिखित हैं- पहला, कार्यपालिका, न्यायपालिका नहीं बन सकती। दूसरा, बिना उचित प्रक्रिया के आरोपी के घर को ध्वस्त करना असंवैधानिक है। तीसरा, दोषी ठहराए जाने पर भी उसकी संपत्ति को नष्ट नहीं किया जा सकता। चतुर्थ, मुकदमे से पहले आरोपी को दंडित नहीं किया जा सकता। पंचम, नगरपालिका कानूनों के लिए भी कानून का अनुपालन अनिवार्य है। छठा, लोगों को ध्वस्तीकरण नोटिस का जवाब देने और उसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। सातवां, अगर अधिकारी कुछ समय पहले उनकी मदद कर दें तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। यहां तक तो ठीक है, पर सीधा सवाल है कि जब किसी भी प्रकार के संगठित अपराध को रोकने के लिए सिविल प्रशासन के समक्ष त्वरित फैसले लेने व सख्त निर्णय करने की जरूरत होती है, तो इस प्रकार उसके हाथ बांधना क्या उचित है।

अदालतों के निर्देश भी नहीं सुधार सके नदियों की सेहत

योगेंद्र योगी

हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिमेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। साारुढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है। इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चुंकि जुर्माना नेता-अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन-प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है।

दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी कभी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण थी। अब प्रदूषण के कहर से जूझ रही है। आंकड़े बताते हैं कि यमुना का प्रदूषण स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। छठ जैसे पर्व पर महिलाओं को इस नदी पर स्नान करने से रोक लगाई गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में खतरनाक बैक्टीरिया और प्रदूषकों का स्तर मानक सीमा से कई गुना अधिक पाया गया है। दिल्ली में यमुना के प्रमुख हिस्सों में पानी की गुणवत्ता, बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और अन्य प्रदूषक तत्वों के कारण न केवल पीने के योग्य नहीं है। यमुना में प्रतिदिन लगभग 3,000 मिलियन गैलन से अधिक सीवेज प्रवाहित होता है। यह बिना किसी सफाई प्रक्रिया के सीधे नदी में जा रहा है।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ यानी एक अरब रुपये और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया थ। इसी तरह बिहार सरकार में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा नहीं कर पाने को लेकर राज्य सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 नवंबर, 2023 को एनजीटी के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट (एसओई) रिपोर्ट 2023 में यह खुलासा किया कि देश के 30 राज्यों में कुल 279 (46 फीसदी) नदियां प्रदूषित हैं, हालांकि, 2018 के मुकाबले मामूली सुधार 2022 में देखा गया है। 2018 में 31 राज्यों में 323 नदियां प्रदूषित थीं। एसओई रिपोर्ट के मुताबिक देश की 279 अथवा 46 फीसदी प्रदूषित नदियों में सर्वाधिक प्रदूषित नदियां महाराष्ट्र (55) में हैं जबकि इसके बाद मध्य प्रदेश में 19 नदियां प्रदूषित हैं वहीं, बिहार में 18 और केरल में18 नदियां प्रदूषित हैं। उत्तर प्रदेश में 17 और कर्नाटक में 17 नदियां जबकि राजस्थान में 14 और गुजरात में 13, मणिपुर में 13, पश्चिम बंगाल में 13 नदियां प्रदूषित हैं। देश की सर्वाधिक पवित्र नदी गंगा के जल को घरों में रखा जाता था। अब हालत यह है कि गंगा नदी दो साल में 10 गुना मैली चुकी है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 जगहों से गंगा जल की जांच की गई। नदी के पानी में प्रदुषण का बुरा हाल देखने को मिला। प्लास्टिक की थैलियों, दूध की पॉलीथीन, नदी के किनारे शवों का जलाना, गंगा नदी को लगातार प्रदूषित कर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 94 स्थानों पर गंगा जल की जांच में यह भयावह तस्वीर सामने आई थी।

13 फरवरी 2023 को केंद्रीय जल शक्ति (जल संसाधन) राज्य मंत्री विश्वेश्वर टुडू ने संसद को बताया था कि नमामि गंगे कार्यक्रम गंगा नदी में प्रदूषण को कम करने में कारगर रही है। उन्होंने कहा था कि 2014 से केंद्र ने नदी की सफाई के लिए 32,912.40 करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गंगा नदी के पूरे भाग के 71 प्रतिशत क्षेत्र में कोलीफॉर्म के खतरनाक स्तर पाए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2022 की रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में कोलीफॉर्म का स्तर सात स्टेशनों पर सबसे ज्यादा था। एनजीटी ने राज्यों से सीवेज ट्रिटमेंट पर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। इसी की पालना में दिसंबर 2022 में उत्तर प्रदेश ने अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें स्वीकार किया गया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में मिलने वाले 1,340 नालों में से 895 (66.8 प्रतिशत) बिना किसी सिवेज ट्रिटमेंट के सीधा गंगा को दुषित कर रहे हैं। वर्तमान में भी हालात में ज्यादा सुधार नहीं है। वर्ष 2018-2019 में गंगा द्वारा ले जाए गए प्लास्टिक कचरे की का आकलन किया गया। नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी के गंगा नदी अभियान में ये पाया गया कि गंगा नदी का प्लास्टिक का कचरा बड़े पैमाने पर सुमद्र में मिल रहा है।

एक नए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया के कुल प्लास्टिक कचरे का लगभग 20 प्रतिशत भारत में पैदा होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल देश में लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जिसमें से 90 प्रतिशत नगर निगमों से आता है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर 50,000 से अधिक नगर पालिकाओं में प्लास्टिक कचरे पर नजर रखने के लिए उन्नत एआई मॉडल का इस्तेमाल किया गया। प्रकृति का सबसे बड़ा खजाना नदियों को शुद्ध रखने के प्रयासों की कमजोर हालत के कारण वे दिन दूर नहीं जब देश में जल संकट और गहरा होगा। शासन-प्रशासन और अदालतों ने शीघ्र इस दिशा में ध्यान नहीं दिया तो कृषि के लिए तो दूर पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ेगा।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उमेश चतुर्वेदी

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश

सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है।

निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा।

अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा।

इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी।

प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातिय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना

इस उत्सव से पिछड़ी जनजातियों को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है : श्याम बिहारी

कुवांरपुर में मनाया गया जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भगवान बिरसामुण्डा के 150वीं जयंती के अवसर पर आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों और स्मृतियों को संजोने के लिए आज जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कुवांरपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रागंण में जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर का गरिमामयी एवं भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर देशवासियों को संबोधित किया। संबोधन को जिला एमसीबी के कुवांरपुर जनमानस ने प्रधानमंत्री का संदेश तन्मयतापूर्वक सुना। उन्होंने बिरसा मुण्डा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा आज भी हमारे समाज में एक आस्था का प्रतीक बने हुये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुण्डा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। साथ ही इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 6,600 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र सहित भगवान बिरसा मुण्डा, गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह, वीर शहीद गोविंद सिंह, नंद सिंह नायक, रानी दुर्गा आदि की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री धरती आभा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत तमाम कई ऐसे लोक महत्व के योजनाओं का शुभारंभ आज बिहार प्रांत के जमुई से प्रधानमंत्री ने किया है। जिसका लाइव प्रसारण हम सबने देखा। हमारे जनकपुर का यह क्षेत्र बहुत ही अद्भुत क्षेत्र है यह चारों ओर से घने वनों से घिरा हुआ। यहां के रहने वाले लोग खेतिहर किसान, मेहनतकश नौजवान है। इसके साथ ही हमारे इस क्षेत्र के संपूर्ण जिले में सबसे ज्यादा विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांव की बसाहट सहज ही मन को आकर्षित करता है। प्रभु श्री राम जब 14 साल का वनवास हुआ तो हमारे छत्तीसगढ़ के जनकपुर क्षेत्र में प्रवेश हुआ जिसे हरचौका और सीतामढ़ी के नाम से जाना जाता है। यह भगवान श्री रामचंद्र जी का प्रवेश स्थल है। यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान या टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाएगा। यहा पर हमारे कई जनजाति वर्ग और पिछड़ी विशेष जनजाति वर्ग के लोग निवास करते हैं। उन्होंने आगे कहा प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से पक्का मकान देने का काम करेंगे। हमारी सरकार ने 18 लाख छत्तीसगढ़ के परिवार के लोगों का प्रधानमंत्री का आवास की स्वीकृति हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव जी ने दिया है। आज जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर सभी जनजाति भाइयों को मैं हृदय से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

घोषणा - प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए 75 लाख रुपये की घोषणा, कलर सोनोग्राफी की घोषणा तथा दो शवगृह की घोषणा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया रेणुका सिंह ने बिरसा मुण्डा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 1857 को स्वतंत्रता संग्राम कहते हैं लेकिन हमारे जनजाति समाज के क्रांतिकारी उससे पहले भी उससे पहले लड़ाई लड़ रहे थे। वे अपने जल, जंगल और जमीन के लिए साहूकार और जमींदारों, सामंतो से लड़ाई लड़े। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासियों के उत्थान के लिए जनजातियों के उत्थान के लिए अनेक कार्य योजनाएं के साथ कल्याणकारी योजनाएं बनाए हैं जिससे हमारा समाज आगे बढ़े उन्नति करें। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा विकास कार्यों पर आधारित विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जहां स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत, क्रेडा, कृषि, आदिवासी विभाग, आयुष विभाग एवं बीएसएनएल सहित अन्य 33 विभागों के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई थी।

कार्यक्रम में जनजातीय समाज प्रमुखों का किया गया सम्मान: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से भेंट मुलाकात की और 19 से अधिक जनजातीय समाज प्रमुखों का सम्मानित किया।

विभिन्न विभागों द्वारा हिग्राहियों को किया सामग्री वितरण: कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के माध्यम से छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राई सायकल एवं छड़ी, कृषि विभाग द्वारा किसानों का मसूर किट, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं को स्वस्च्छता किट तथा गर्भवती महिलाओं पोषण आहर किट प्रदान किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से 4 बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन एवं 7 गर्भवती माताओं की गोद भराई रस्म पूर्ण की कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी बैगा, जिला पंचायत सदस्य रविशंकर सिंह, जिला पंचायत सदस्य फूलमती नेटी, जनपद उपाध्यक्ष भरतपुर दुर्गा शंकर मिश्रा, विधात्री सिंह, शांति बैगा, प्रेमवती सिंह, रोहणी बैगा, सुखलाल मरावी, बृजभूषण सिंह, पवन शुक्ला मंडल अध्यक्ष, हीरालाल बैगा, हीरालाल यादव, भईया प्रसाद मार्को, राम नरेश यादव, मो. ईशाखान, माधव सिंह, हिरालाल मौर्य, खिलाड़ी जोगी, कृष्ण प्रताप सिंह, बद्री सिंह, अशोक सिंह, राजा राम दास, जिला अधिकारी-कर्मचारी सहित सैकड़ों की जनसंख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कपिल त्रिपाठी के गुर्गों ने रायपुर के युवक को धमकाया

प्रताड़ित होकर बेचा घर, बदमाश के सहयोगी ने ब्याज के मांगे 6 लाख, एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बहुचर्चित संजू त्रिपाठी हत्याकांड के आरोपी कपिल त्रिपाठी के गुर्गों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोप है कि, रायपुर के युवक ने कपिल त्रिपाठी की प्रताड़ना से तंग आकर पहले बिलासपुर के मकान को बेच दिया। जब रायपुर में शिफ्ट हुआ, तब उसके सहयोगी बदमाश परेशान कर धमकी देने लगे। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। रायपुर के कंचना निवासी सुमित सिन्हा ने पुलिस को बताया कि, उसने पहले कपिल त्रिपाठी से ब्याज पर पैसे लिए थे। पैसे देने के बाद कपिल त्रिपाठी उससे अधिक ब्याज वसूलने लगा। उसकी धमकियों के डर से वो मुंहमांगा ब्याज चुकाते रहा। इसके बाद भी कपिल ने ईमानदारी से हिसाब नहीं किया और रुपए के लिए उसे परेशान कर धमकी देता रहा।

धमकियों से तंग आकर बेच दिया मकान: सुमित ने बताया कि, कपिल उसे लगातार परेशान करता रहा। उसकी प्रताड़ना से तंग आकर उसने साल 2021 में नेहरू नगर स्थित मकान को बेच दिया। जिसके बाद चार किश्तों में उसने कपिल को 26 लाख रुपए दिए। जिसके बाद सुमित अपने परिवार सहित बिलासपुर छोड़ दिया और रायपुर में शिफ्ट हो गया।

अब कपिल के गुर्गों ने दी धमकी, मांगे 6 लाख रुपए: सुमित को लगा कि, इतने पैसा देने के बाद अब कपिल का कर्ज चुकता हो गया है। लेकिन, अचानक तीन साल बाद अब कपिल त्रिपाठी का दोस्त अनिमेश शुक्ला फोन कर उससे 6 लाख रुपए की मांग कर रहा है। इसके लिए उसने सुमित के रिश्तेदारों को भी फोन कर धमकी दी। अनिमेश उसे कपिल का चार लाख बकाया होने का दावा कर रहा है। सुमित ने अपने मोबाइल से कॉल कर कपिल के सारे पैसे देने की बात कही। शुक्रवार 15 नवंबर को भी अनिमेश ने सुमित को धमकी दी। जिससे परेशान होकर सुमित ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस ने अवैध वसूली और धमकी देने की धाराओं में जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जेल में बंद कपिल चला रहा कारोबार: कपिल त्रिपाठी हत्या के केस में जेल में बंद है। इसके बाद भी वो जेल में रहकर अपने गुर्गों के जरिए जमीन और ब्याज का अवैध कारोबार बेखौफ संचालित कर रहा है। यह भी आरोप है कि कपिल के गुर्गे उसके नाम से धमका कर यह कारोबार कर रहे हैं। कपिल अपने सहयोगियों के जेल में रहकर यह सब कर रहा है।

अब जानिए कब हुई थी संजू त्रिपाठी की हत्या: 14 दिसंबर को सकरी बाइपास में कुदुदंड निवासी हिस्ट्रीशीटर और कांग्रेस नेता संजू त्रिपाठी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद पुलिस ने संजू त्रिपाठी के भाई कपिल त्रिपाठी को मुख्य आरोपी मानकर गिरफ्तार किया।

सड़क हादसे में 2 सगे भाइयों की मौत, एक भाई जख्मी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में नेशनल हाईवे-43 पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। सब्जी से लदे पिकअप और ट्रेलर के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई।

जबकि बड़े पिता का बेटा घायल है। घटना पटना थाना क्षेत्र के महोरा गांव की है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को अभिषेक साहू, अविनाश साहू और छोटू निवासी तेंदुआ आवरापारा से जमगहना बाजार के लिए पिकअप क्रमांक सीजी 16 सीपी 3671 में सब्जी लोड कर जा रहे थे। इसी दौरान महोरा के पास सामने से आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 ए 7849 के साथ आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

नाबालिग से दुष्कर्म कर बनाया वीडियो, किया वायरल, बॉयफ्रेंड शाहिद समेत 3 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बनाया गया। फिर वीडियो को वायरल कर दिया। बांकी मोंगरा पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शाहिद अंसारी नाम के युवक ने अपने साथी रामचंद्र साहू के घर ले जाकर लड़की से दो बार रेप किया।

रामचंद्र साहू ने अश्लील वीडियो बनाकर अपने साथी ताकिर अली को भेज दिया।

मां को परेशान करने पर चाचा की हत्या, सुबह घर पहुंचकर किया विवाद, भतीजे ने रॉड से सिर फोड़ा, सप्ताह में तीसरा मर्डर

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में भतीजे ने चाचा के सिर पर रॉड से हमला कर हत्या कर दी। आरोपी के अनुसार चाचा उसकी मां को परेशान करता था। जिले में सप्ताह भर में मर्डर का यह तीसरा मामला है। वारदात छुरा थाना क्षेत्र की है। शनिवार सुबह अर्जुन कुमार (33) की रॉड से मारकर हत्या हो गई। जानकारी के मुताबिक आरोपी कोई और नहीं बल्कि उसका भतीजा है। हालांकि, इसकी पुष्टि पुलिस ने अभी नहीं की है। घटना पीपरछेड़ी के कमार बस्ती अमलीपारा की है।

देवर भाभी को करता था परेशान: जानकारी के मुताबिक मृतक अर्जुन कमार अपनी भाभी को परेशान करता था। भैय्या हिरासिंह बीमार है। शनिवार सुबह अर्जुन दोनों के साथ विवाद कर रहा था। विवाद बढ़ता देख नाबालिग भतीजा आया और पास में रखे लोहे के रॉड में चाचा अर्जुन के सिर पर वार कर दिया।

वारदात के बाद मौके से भागा भतीजा: अर्जुन खून से लथपथ होकर गिर गया, मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। वारदात के बाद भतीजा फरार हो गया। सूचना के बाद छुरा पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंच गई है। उपनिरीक्षक दिलीप मेश्राम फॉरेसिंक टीम का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस आरोपी को शाम तक पकड़ लेने का दावा किया है।

दो अलग-अलग मामले में पत्नी की हत्या: 13 नवंबर को कोतवाली थाना क्षेत्र के डोंगरीगांव में पति दिलेश्वर ध्रुव ने पत्नी लक्ष्मी बाई को लात घुंसे से इतना मारा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों ने साथ में शराब पिया, विवाद हुआ तो पति आपा खो बैठा, नशे की हालत में पत्नी की पिटाई कर दी।

नन्हें बच्चों की योगकला का वीडियों, स्वदेशी मेले का हुआ आगाज, डिप्टी सीएम साव बोले-स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल से समृद्ध होगा भारत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में शुक्रवार को स्वदेशी मेले का रंगारंग शुभारंभ हुआ। इस दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ योगकला की शानदार प्रस्तुति दी। मेले के उद्घाटन अवसर पर डिप्टी ष्टरू अरुण साव ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल से जहां देश समृद्ध होगा। वहीं, देश के लोगों में आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना भी विकसित होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पाद और केंद्र सरकार की योजनाओं का असर है कि हमारा देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। अब यहां के लोग रोजगार नहीं, बल्कि स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इंडिया के तहत युवाओं को स्वरोजगार देने का काम किया है।

इसके साथ ही स्वदेशी जागरण मंच जैसी संस्था ने लोगों के मन में स्वदेशी अपनाने की भावना को जागृत किया है। यही नहीं विदेशों में स्टॉल लगाकर हमारे ग्रामीणों ने अपने उत्पाद को मार्केट देने का काम किया है। कार्यक्रम को शहर विधायक अमर अग्रवाल और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के साथ ही महापौर रामशरण यादव ने भी संबोधित किया।

सांस्कृतिक आयोजनों की रंगारंग प्रस्तुति: कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। साथ ही स्कूली बच्चों ने योगाभ्यास को नृत्य के जरिए प्रस्तुत किया। बता दें कि योगकला में निपुण इन बच्चों ने राष्ट्रीय अवार्ड भी हासिल किया है। कार्यक्रम में लोक कलाकारो ने भी छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। बता दें कि 6 दिवसीय इस आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अलग-अलग प्रतिस्पर्धाएं भी होंगी, जिसमें शिशु वेशभूषा स्पर्धा, रंग भरो प्रतियोगिता, वॉयस ऑफ बिलासपुर प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, केश सज्जा प्रतियोगिता होगी। इसके प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसमें स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए स्टॉल भी लगाए गए हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों ने अपने उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई है। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के ललीत माखीजा, प्रवीण झा, अरुणा दीक्षित, डॉ नीता श्रीवास्तव, लता गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर युवक को मार डाला

सुबह चाय पीते वक्त हंसने पर चाकू से गोदा, लहूलुहान मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई में शनिवार सुबह एक आरोपी ने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर युवक को मार डाला। सुबह ठेले पर दोनों चाय पी रहे थे, तभी वहां मौजूद एक युवक उन्हें देखकर हंसने लगा, इससे बाद आरोपियों ने चाकू से उस पर कई वार कर दिया। मामला रामनगर कब्रिस्तान के छठ तालाब का है।

मिली जानकारी के मुताबिक जामुल क्षेत्र के रहने वाले रोहित सिंह (24) की हत्या की गई है। चाय दुकान के आपपास मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी तत्काल पुलिस को दी। इस दौरान घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई थी।

पावर हाउस रेलवे स्टेशन से पकड़ाए आरोपी: सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे आरोपियों को छावनी पुलिस ने पावर हाउस रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया। दोनों डोंगरगढ़ की ओर भागने की फिराक में थे।

क्षेत्र को लेकर उलझी रही पुलिस: वहीं वैशाली नगर थाना प्रभारी ममता अली शर्मा को फोन लगाया गया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र का मामला नहीं है। छावनी थानेदार चेतन चंद्राकर ने कहा कि उनका एरिया नहीं आता, लेकिन वह टीम के साथ स्पॉट पर पहुंचे। संदेही जय मारकंडे और एक नाबालिग को पकड़ा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

रात को निकला था घर से सुबर पता चला हो गई हत्या: मृतक रोहित सिंह के घरवालों ने पुलिस को बताया कि वो रात को 9 बजे के करीब घर से निकला था। उसके बाद रात 3 बजे उसका फोन आया था कि वो दुर्ग में है और घर आ रहा है। इसके बाद सुबह 9-10 बजे के करीब घरवालों को पता चला कि उसकी हत्या हो गई है।

सुनसान जगह ले जाकर घोंप दिया चाकू: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहित सिंह काफी नशे में था और रात 3-4 बजे के बीच राम नगर मुक्तिधाम के पास चाय की दुकान के पास बैठा था। उसी दौरान संदेही जय मार्कण्डेय और उसका नाबालिग साथी वहां से निकले। रोहित इतने नशे में था कि वो ठीक से बाइक नहीं चला पा रहा था। इससे उसे देखकर जय और उसके दोस्त हंसने लगे।

जय और उसका नाबालिग दोस्त भी नशे में थे। इतने में रोहित ने उन्हें गाली दे दिया। जय इतने गुस्से में आ गया कि उसने उसे मारने की प्लानिंग बना ली। उन्होंने रोहित से कहा कि उन्हें उनके घर तक छोड़ दे। इसके बाद नाबालिग ने बाइक चलाई और जय रोहित को बाइक के बीच में बैठाकर तालाब की तरफ सुनसान जगह ले गया।

इस दौरान बाइक स्टार्ट नहीं हुई तो नाबालिग लड़के ने धक्का दिया और जय बाइक को सुनसान जगह ले गया। वहां जय ने रोहित को कसकर पकड़ लिया। नाबालिग लड़के ने चाकू निकाला और उसके गले व आसपास तीन वार किए। इससे रोहित वहां लहूलुहान होकर ढेर हो गया। इसके बाद दोनों संदेही मौके से भाग गए।

पुलिस विभाग में थानेदारों का तबादला

बस्तर भेजे गए प्रदीप आर्या, सकरी टीआई को एसपी ने किया लाइन अटैच, कहा- पुलिसिंग में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। पुलिस मुख्यालय ने चार निरीक्षकों का तबादला आदेश जारी किया है। इसमें बिलासपुर के थानेदार प्रदीप आर्या को बस्तर भेजा गया है। वहीं, जिला स्तर पर एसपी रजनेश सिंह ने भी ट्रांसफर आदेश जारी किया है, जिसमें उन्होंने सकरी टीआई दामोदर मिश्रा को लाइन अटैच कर दिया है। एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि पुलिसिंग में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्हें थानेदार नहीं उनके काम से मतलब है।

पुलिस स्थापना बोर्ड की अनुशंसा पर डीजीपी अशोक जुनेजा ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत जिन चार थानेदारों का लिस्ट जारी किया है, उनमें बिलासपुर से प्रदीप आर्या, मुंगेली के तेजनाथ सिंह को सरगुजा, मीना माहिलकर को बालोद से दुर्ग और सुरेंद्र बघेल को जांजगीर-चांपा से कोंडागांव जिला भेजा गया है।

एसपी ने सकरी टीआई को किया लाइन अटैच: इधर, एसपी पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए एसपी रजनेश सिंह ने चार निरीक्षक समेत 10 पुलिस अफसरों का तबादला आदेश जारी किया है। जारी आदेश के तहत पुलिसिंग में लापरवाही बरतने पर सकरी टीआई दामोदर मिश्रा को लाइन अटैच किया गया है। उनकी जगह चकरभाठा रविंद्र अनंत को सकरी भेजा गया है। जबकि, चकरभाठा थाने का प्रभार एसआई व पचपेड़ी थाना प्रभारी ओमप्रकाश कुर्रे को दिया गया है।

पचपेड़ी और बेलगहना प्रभारी भी बदले: जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक युगल किशोर नाग को अजाक थाने से यातायात, अवनीश पासवान को पुलिस लाइन से अजाक, एसआई भावेश शेन्डे को मल्हार चौकी से बेलगहना, ओंकारधर दीवान को बेलगहना से मल्हार चौकी भेजा गया है। वहीं, तारबाहर थाने के एसआई श्रवण टंडन को बेहतर काम करने के लिए इनाम के तौर पर पचपेड़ी थाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह एएसआई दीपक तिवारी पुलिस लाइन से यातायात थाने में पदस्थ किया गया है।

आरक्षक से अवैध वसूली की शिकायत: बताया जा रहा है कि सकरी थाना प्रभारी ने एक आरक्षक को अवैध वसूली की छूट दे रखी थी। आरक्षक क्षेत्र में बेखौफ उगाही कर रहा था, जिसकी जानकारी थानेदार को भी थी। लेकिन, उन्होंने मामले को दबाए रखा। वहीं, थानेदार पर धोखाधड़ी के एक गंभीर मामले की जांच में कोताही बरतने और आरोपी पक्ष से मिलीभगत करने के भी आरोप है।

पूर्व मंत्री की कार को ट्रक ने मारी टक्कर

बाल-बाल बचे डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, वाहन क्षतिग्रस्त, ड्राइवर ने दर्ज कराई एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी की कार को तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पूर्व मंत्री बाल-बाल बच गए। उनके ड्राइवर ने मस्तूरी थाने में हादसे की शिकायत दर्ज कराई है। इस पर पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

दरअसल, मसानगंज निवासी मोंटी बांधी ड्राइवर हैं। वो पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी की गाड़ी चलाते हैं। शुक्रवार की सुबह पूर्व मंत्री किसी काम से पचपेड़ी गए थे। सुबह करीब 11 बजे वे अपनी कार से बिलासपुर लौट रहे थे। उनकी कार जोंधरा चौक के पास पहुंची थी।

इसी दौरान जांजगीर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार पूर्व मंत्री और अन्य लोग बाल-बाल बच गए। ड्राइवर ने मस्तूरी थाने में हादसे की शिकायत दर्ज कराई है।

कोलकाता-टीएमसी पार्षद को मारने आया शूटर, गोली नहीं चली

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के कस्बा इलाके में तृणमूल कांग्रेस पार्षद के मर्डर की साजिश नाकाम हो गई। वार्ड 108 के पार्षद सुशांत घोष शुक्रवार शाम अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान दो लोग स्कूटी पर आए। पीछे बैठे व्यक्ति ने घोष पर 2 बार फायर करने की कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली। इस बीच सुशांत घोष शूटर को पकड़ने के लिए दौड़ पड़े। शूटर ने स्कूटर पर भागने की कोशिश की, पर सुशांत ने उसके कपड़े पकड़कर खींच लिया। इस दौरान वह दोबार बचकर दौड़कर भागने लगा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। घोष के घर पर सीसीटीवी लगा था और इसी में घटना कैद हो गई। बिहार का है शूटर, बोला- पैसे नहीं मिले पकड़े जाने के बाद शूटर से कैमरा के सामने पूछा गया कि उसे किसने हायर किया है। इस पर शूटर ने कहा कि उसे किसी ने पैसा नहीं दिया, सिर्फ फोटो दी गई और कहा कि इसका मर्डर करना है। पुलिस ने बताया कि इसके पीछे स्थानीय लोगों का हाथ हो सकता है। आशंका है कि दुश्मनी के चलते किसी ने बिहार के शूटर को हायर किया होगा। पार्षद बोले- कभी नहीं सोचा ऐसा होगा घोष ने कहा कि उन्हें कोई आइडिया नहीं है कि मर्डर की प्लानिंग किसने की होगी। उन्होंने कहा, 12 साल से पार्षद हूं। कभी नहीं सोचा था कि मुझ पर कोई हमला कराएगा। मेरे इलाके में मेरे घर के सामने ऐसा होगा, ये तो कभी नहीं सोचा था।

मोदी बोले- एमवीए झूठ फैला रहा है

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 4 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा- एक हैं तो सेफ हैं जन-जन तक पहुंचाना है। महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में झूठ फैला रही है। भाजपा के %मेरा बूथ सबसे मजबूत% कार्यक्रम में मोदी वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। उन्होंने भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से कहा- महाराष्ट्र में भाजपा शासित महायुति मराठाओं के गौरव को बढ़ाने का काम कर रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सभी 288 विधानसभा सीटों पर सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग है। इसके नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। भाजपा महायुति गंठबंधन में सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने 148 उम्मीदवार घोषित किए हैं। महाराष्ट्र के लोग महायुति सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल से बहुत प्रभावित हैं। मैं जहां-जहां गया हूं, मैंने ये प्यार देखा है। वो भी चाहते ? हैं? कि अगले पांच साल यही सरकार रहनी चाहिए। महाराष्ट्र में गूंज रहा है- भाजप-महायुती आहे, तर गती आहे, महाराष्ट्राची प्रगती आहे। महायुति सरकार, समाज के हर वर्ग के सशक्तिकरण का प्रयास कर रही है। यही फर्क है, हमारी और अघाड़ी वालों की सरकार में और इस फर्क को लोग महसूस कर रहे हैं। हमारी सरकार का विजन है कि हम मिलकर इतना विकास करें कि हर किसी को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

कांग्रेस को अपना इतिहास पता है, जब तक देश में एससी-एसटी-ओबीसी समाज जागरूक नहीं हुआ था, तब तक केंद्र में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनती थी, लेकिन जब से एससी-एसटी-ओबीसी समाज एकजुट हुआ है, तब से कांग्रेस की स्थिति कमजोर होती चली गई। इसलिए कांग्रेस अब एससी-एसटी-ओबीसी समाज को इतना तोड़ देना चाहती है कि कांग्रेस के खिलाफ कोई ताकत ही न बचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- मुंबई ने लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है। आतंकी हमलों से मिले जख्मों को लोग अब तक भूले नहीं हैं, लेकिन पिछले कुछ साल में लोगों के मन में सुरक्षा का भाव आया है।

दिल्ली में धर्म संसद, देशभर के साधू-संत शामिल हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार को तीसरी सनातन धर्म संसद का आयोजन हुआ। इसमें द्वारकापीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती समेत देश के प्रमुख 50-60 संत, साध्वी, कथावाचक शामिल हुए। संसद का आयोजन कथावाचक देवकीनंदन ने कराया। संसद में शंकराचार्य सरस्वती ने कहा- यदि हम (हिंदु) अपने स्वधर्म को नहीं पहचानेंगे तो हमें इसी तरह अपमानित होना पड़ेगा। दूसरे लोग हम पर शासन करते रहेगें। वहीं, कथावाचक देवकीनंदन ने वक्फ बोर्ड की तरह ही सनातन बोर्ड बनाने की मांग की। उन्होंने आंध्र प्रदेश में तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम में चर्बी मिलाए जाने की घटना का भी जिक्र किया। देवकीनंदन ने महिलाओं-युवतियों संग हुई कुछ घटनाओं का जिक्र किया। इसके अलावा चौथी धर्म संसद अगले साल प्रयागराज में होने जा रहे कुंभ मेले में रखने की बात भी कही। दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चली धर्म संसद में द्वारकापीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवीन्द्र पुरी, कथावाचक देवकीनंदन, अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास, कुबेरेश्वर धाम के प्रदीप मिश्रा, कथावाचक सरस्वती मां सहित सहित अन्य लोग पहुंचे थे।

खड़गे बोले-हमारे बनाए कॉलेज में पढ़कर पूछते हैं या किया, राहुल गांधी को एयरपोर्ट के लाउंज में नहीं जाने देते हैं मोदी

जामताड़ा/खिजरी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को झारखंड के जामताड़ा और खिचरी में चुनावी सभा की। उन्होंने कहा- हमारे (कांग्रेस सरकार) बनाए कॉलेज में पढ़कर आज हमसे ही पूछते हैं कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- आज के सारे भाजपाई नेहरू जी के बनाए स्कूलों में पढ़े हैं। अगर हम ये नहीं करते तो मोदी जी आप उस कुर्सी पर नहीं बैठते। इस देश का संविधान हमने दिया। इसलिए आप प्रधानमंत्री बने। मेरे पिता भी मिल मजदूर थे। मैंने वकालत की। आज कांग्रेस का

प्रेसिडेंट हूं। किसकी वजह से, संविधान की वजह से।

खड़गे ने कहा- कैबिनेट मंत्री का दर्जा होने के बावजूद राहुल गांधी को एयरपोर्ट के लाउंज तक नहीं जाने दिया जाता है। उन्होंने अपने और राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर में कथित रूप से देरी करवाने के लिए भी पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला। कहा- शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर को जानबूझकर दो की घंटे की देरी की गई। आज मेरे हेलिकॉप्टर को 20 मिनट देरी से उतारा गया, क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह उतर रहे थे। उन्होंने कहा- वे (भाजपा) कांग्रेस से पूछते हैं देश के लिए क्या किया? हमने देश में इतना अनाज भर दिया कि गोदाम भर गए।

पीएम मोदी, अमित शाह दोनों नेता ही राहुल गांधी से डरे हुए हैं, प्रियंका गांधी का भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपने भाई राहुल गांधी के खिलाफ यह झूठ फैलाने का आरोप लगाया कि वह आरक्षण के खिलाफ हैं। प्रियंका ने कहा कि दोनों नेता राहुल से डरे हुए हैं, क्योंकि वह (राहुल गांधी) देश में जातिगत जनगणना करवाना चाहते हैं। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि राज्य से 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं छीन ली गईं। उन्होंने आरोप लगाया, हम सबको महाराष्ट्र पर गर्व है। लेकिन इसी धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान हो रहा है... आप लोगों का अपमान हो रहा है। मोदी जी समेत ये सभी नेता उनका (शिवाजी महाराज) नाम तो लेते हैं, लेकिन उनका सम्मान नहीं करते।

प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की आधारशिला रखी, लेकिन उन्होंने बाद में इसका काम रोक दिया। कांग्रेस महासचिव का इशारा मुंबई के पास अरब सागर में शिवाजी महाराज के प्रस्तावित स्मारक की तरफ था।

अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी पार्टी के प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने दी। उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली। उन्होंने पोस्ट में लिखा- शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आज पार्टी की कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया, ताकि नए अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने उन्होंने अपने नेतृत्व के दौरान समर्थन और सहयोग के लिए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। करीब 3 महीने पहले सुखबीर बादल को धार्मिक सजा सुनाई गई थी। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने सुखबीर को तनखैया करार दिया था। सुखबीर बादल पर उनकी सरकार के वक्त डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम को माफी देने के अलावा सुमेध सैनी को डीजीपी नियुक्त करने और श्री गुरू ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले में कार्रवाई न करने का आरोप लगा था।

अब इन वाहनों को नहीं देना होगा टोल टैक्स, मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने टोल टैक्स को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय ने नए नियमों का ऐलान किया है, जिसके तहत अब उन निजी वाहन चालकों को टोल टैक्स नहीं देना होगा जो ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम का उपयोग करते हैं। इसके अलावा, अगर ये वाहन चालक टोल रोड का उपयोग केवल 20 किमी के दायरे में करते हैं, तो भी उन्हें कोई टोल टैक्स नहीं देना होगा। इस नए नियम के मुताबिक, जो निजी वाहन चालक जीएनएसएस सिस्टम का उपयोग करते हैं, उन्हें हर दिन 20 किमी तक के सफर पर कोई टोल नहीं देना होगा। हालांकि, यदि वे 20 किमी से अधिक दूरी तय करते हैं, तो उन्हें टोल उस वास्तविक दूरी के आधार पर देना होगा। यह नियम पूरे देश में लागू होगा। केंद्रीय मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही फास्टैग के साथ ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल सिस्टम को लागू करने की योजना बनाई है। फिलहाल, यह सिस्टम कुछ चुनिंदा राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया गया है। वर्तमान में, कर्नाटक के बेंगलुरु-मैसूर राष्ट्रीय राजमार्ग 275 और हरियाणा के पानीपत-हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग 709 पर इसे टेस्ट किया जा रहा है।

झांसी अग्निकांड- 10 नवजात जिंदा जले, 8 का पता नहीं

झांसी (एजेंसी)। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई। वार्ड की खिड़की तोड़कर 39 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अभी तक 8 बच्चों की सूचना नहीं मिल पाई है।

इधर, बच्चों को बचाने वाले युवक ने कहा- आग लगी तो डॉक्टर भागने लगे। मैंने 4-5 बच्चों को बचाया। अब मीडिया में बयान देने पर अस्पताल प्रशासन से धमकी मिल रही है। कहा जा रहा है कि तुम ऐसे कैसे बयान दे रहे हो। हादसा रात करीब साढ़े 10 बजे हुआ। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग के

चलते आग लगी, फिर धमाका हो गया। पूरे वार्ड में आग फैल गई।

वार्ड बॉय ने आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) चलाया, मगर वह 4 साल पहले ही एक्सपायर हो चुका था, इसलिए काम नहीं किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं। खिड़की तोड़कर पानी की बौछारें मारीं। भीषण आग को देखते हुए सेना को बुलाया गया। करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया। हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि एक तरफ हॉस्पिटल में चीख-पुकार मची हुई थी।

बिजनौर सड़क हादसा, दूल्हा-दुल्हन समेत 7 की मौत

बिजनौर (एजेंसी)। यूपी के बिजनौर में झारखंड से शादी कर लौट रहे दूल्हा-दुल्हन समेत 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार देर रात 2 बजे नेशनल हाईवे-74 पर हुआ। परिवार झारखंड से आ रही ट्रेन से लौट रहा था। सभी लोग मुरादाबाद स्टेशन पर उतरे और वहां से ऑटो में बिजनौर के धामपुर जा रहे थे। इसी दौरान एक कार ने ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी। ऑटो सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे की जगह से दूल्हे का घर सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। एसपी अभिषेक ने बताया- घने कोहरे के कारण हादसा हुआ है। बिजनौर के तिबड़ी गांव निवासी खुर्शीद अपने बेटे विशाल की शादी करने झारखंड के जिला मधुपुरा गांव परोहाबाद गए थे। शादी 14 नवंबर को थी। शादी करके शुक्रवार को परिवार के साथ गांव लौट रहे थे। उनके साथ विशाल, उसकी पत्नी खुशी, मौसी रूबी, मौसा मुमताज, मौसेरी बहन बुशरा के अलावा परिवार के दो लोग थे। दूल्हे के जीजा ने कहा कि मेरे साले की शादी थी।

राहुल बोले- पीएम मोदी को बाइडेन जैसे भूलने की बीमारी

अमरावती (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से की। राहुल ने कहा- मोदी जी की याददाश्त कमजोर हो रही है, अमेरिकी राष्ट्रपति को भी भूलने की बीमारी है। राहुल ने कहा कि मेरी बहन ने मुझे बताया कि आजकल मोदी जी अपने भाषणों में वही बातें बोल रहे हैं, जो हम बोल रहे हैं। शायद मोदी जी को मेमोरी लॉस हो गया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति भी भाषण देते वक्त भूल जाते थे। बोलना कुछ होता था और बोल

कुछ और देते थे। फिर पीछे से उन्हें बताया जाता था कि ये नहीं बोलना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति आए थे, उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूस का राष्ट्रपति पुतिन कह दिया। उनके पीछे खड़े लोगों ने कहा कि ये रूस के नहीं हैं, यूक्रेन के हैं। उनका मेमोरी लॉस हो गया था। ऐसे ही हमारे प्रधानमंत्री का मेमोरी लॉस हो गया है। राहुल बोले- पीएम हमारे भाषणों की बातें दोहरा रहे राहुल ने कहा कि हो सकता है अगली मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी आपसे कहें कि महाराष्ट्र सरकार सोयाबीन के लिए प्रति क्विंटल 7 हजार रुपए देती है। मैंने कहा भाजपा कॉन्स्टिट्यूशन पर आक्रमण कर रही है, वो कहते हैं कांग्रेस पार्टी संविधान पर आक्रमण कर रही है। मैं हर भाषण में संविधान की कॉपी लेकर चल रहा हूं, इसे दिखा रहा हूं, एक साल से कह रहा हूं कि भाजपा इस पर आक्रमण कर रही है।

नहीं रहे चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई राममूर्ति, 72 की उम्र में हुआ निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के पूर्व विधायक एन. राममूर्ति नायडू (72) का शनिवार को निधन हो गया। वे कुछ समय से एक निजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने दोपहर 12:45 बजे अंतिम सांस ली। अस्पताल ने बताया कि राममूर्ति नायडू को 14 नवंबर को दिल का दौरा (हृदयाघात) आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनकी श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ गईं और वे वेंटिलेटर पर थे। राममूर्ति नायडू 1994 से 1999 तक आंध्र प्रदेश के चंद्रगिरि विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे थे। उनके निधन से राज्य में शोक की लहर है। उनके बेटे नारा रोहित तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सहित कई नेताओं ने राममूर्ति नायडू के निधन पर शोक व्यक्त किया। रेवंत रेड्डी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और नायडू परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

राहुल गांधी वादे कर विदेश चले जाते हैं, सिर्फ भाजपा ही अपनी गारंटी पूरी करती है : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के नेता राहुल गांधी वादे करते हैं और विदेश चले जाते हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी हर गारंटी पूरी करती है। झारखंड के देवघर जिले के मधुपुर में एक चुनावी सभा को संभोधित करते हुए शाह ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव विधायक, मुख्यमंत्री या सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि युवाओं एवं गरीबों के भविष्य को संवारने तथा भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए हैं। उन्होंने दावा किया, घुसपैठिये न केवल आदिवासियों के लिए, बल्कि नौकरियां छीनकर और अपराध को बढ़ावा देकर राज्य के युवाओं के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं। झारखंड उच्च न्यायालय ने घुसपैठियों की

पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने का निर्देश दिया था।

केंद्र ने इस पर सहमति जताई, लेकिन राज्य की हेमंत सोरेन सरकार तैयार नहीं हुई।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए शाह ने आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में आतंकवादी ने न सिर्फ भारत को निशाना बनाया, बल्कि लोगों को मारने के बाद बिरयानी का लुत्फ भी उठाया। उन्होंने कहा, दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हवाई हमलों और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये आतंकवादियों का सफाया किया। शाह ने भारत दिसंबर 2027 से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

असम में कुकी समुदाय पर पुलिस का लाठीचार्ज

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाहर पुलिस और कुकी समुदाय के लोगों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। दरअसल, मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 उग्रवादियों के परिजन उनके शव मांगने के लिए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। असम पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे, लेकिन परिजन शव वहीं सौंपे जाने की मांग करते हुए पत्थरबाजी पर उतर आए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसके बाद हालात काबू में आए और परिजन मणिपुर पुलिस से शव लेने पर सहमत हुए। इसके बाद शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट

किया गया।

इससे पहले शुक्रवार को बराक नदी में तीन शव मिलने के बाद घाटी में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शवों में एक आठ महीने का बच्चा भी शामिल था। 11 नवंबर को सीआरपीएफ और पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र उग्रवादियों ने 6 लोगों को अगवा किया था। इनमें से तीन के शव मिलने के बाद तीन विधायकों के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं। पूरी घटना विस्तार से समझिए... 11 नवंबर की मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के शव को 12 नवंबर को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया। अगले दो दिनों में सभी शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। जिरीबाम और असम के करीब 400 स्थानीय लोग 12 नवंबर से ही एसएमसीएच में डेरा डाले रहे। ये लोग शवों को उन्हें सौंपने की मांग पर अड़े थे। मृतकों के परिवार यहां नहीं आ सकते, इसलिए उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थे। शनिवार (16 नवंबर) सुबह करीब 10 बजे, असम के कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ एसएमसीएच पहुंचे और शवों को मुर्दाघर से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हुई। पुलिस इन शवों को मणिपुर के चुराचांदपुर एयरलिफ्ट करने वाली थी। लेकिन, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने मुर्दाघर के सामने धरना दिया और पुलिस को अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि शव यहीं सौंपे जाएं। उन्होंने पुलिस को शव लेने से रोक दिया। पुलिस और अन्य सरकारी अधिकारियों ने कहा कि शव मणिपुर के चुराचांदपुर में सौंपे जाएंगे।

भारत के पूर्व बॉलिंग कोच का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम इंडिया को मोहम्मद शमी की कमी खलेगी। बता दें कि, शमी 2023 वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हुए थे और उसके बाद से करीब एक साल से क्रिकेट मैदान से दूर रहे। हाल में उन्होंने रणजी ट्रॉफी के साथ क्रिकेट मैदान पर वापसी की है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्हें मौका नहीं मिला है। वहीं पारस ने ये भी कहा है कि उन्हें नहीं लगता है कि जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में पांचों टेस्ट मैच खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम को 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का आगाज करना है। वहीं दिए एक इंटरव्यू में पारस ने कहा कि, क्या आपको लगता है कि शमी के अनुभव को देखते हुए हमारे पास एक बड़े एक्स फैक्टर की कमी है? शमी जैसे खिलाड़ी की कमी हमेशा खलेगी। यही सही बात है। उसके पास उस तरह की स्किल्स हैं जिसे वह टीम में लाता है, अनुभव। जाहिर है, जब समी और बुमराह मिल जाते हैं तो ये जोड़ी खतरनाक हो जाती है। भारत को शमी की काफी कमी खलने वाली है ये तो हर कोई जानता है। लेकिन अगर इसका दूसरा पहलू देखा जाए, तो जिन खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है उनके लिहाज से ये अच्छी बात भी है। पारस म्हाम्ब्रे ने जसप्रती बुमराह के वर्कलोड पर कहा कि, वर्कलोड मैनेजमेंट पर सामान्य तौर पर, ने केवल इस सीरीज के लिए ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि हम अपने कार्यकाल से इसका हिस्सा रहे हैं। मुझे यकीन है कि य जारी रहेगा।

संजू सैमसन और तिलक के धमाकेदार शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। सैमसन (नाबाद 109) और वर्मा (नाबाद 120) के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 210 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। अर्शदीप सिंह (20 रन देकर तीन विकेट) के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे और फिर पूरी टीम 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20

अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा। सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में बनी 210 रन की साझेदारी भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही। हैदराबाद के 22 वर्षीय तिलक ने महज 47 गेंद में नौ चौके और 10 छक्के जड़े जिससे वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बने। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस युवा प्रतिभा को मौका देने के लिए अपने पसंदीदा बल्लेबाजी स्थान को छोड़ने का फैसला किया जो उनकी नेतृत्व क्षमता दिखाता है। पहले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले सैमसन ने 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी शतकीय पारी में छह चौके और नौ छक्के जमाये। वर्मा के साथ मिलकर सैमसन ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की धुनाई की। तीसरे नंबर पर वर्मा आत्मविश्वास और जोश से भरे दिखे। सैमसन ने पिछली पांच पारियों में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े हैं जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल हैं जबकि वर्मा ने लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत ही काफी खराब हुई, उसने तीसरे ओवर में 10 रन पर चार विकेट खो दिये थे। इस विशाल स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजों का दबाव में आना लाजमी था। दक्षिण अफ्रीका ने पारी की तीसरी गेंद पर अपने सलामी बल्लेबाज रीजा हैंड्रिक्स का विकेट गंवाया जो अर्शदीप सिंह का पहला शिकार हुए। दूसरे ओवर में आल राउंडर हार्दिक पंड्या ने रेयान रिकेल्टन को पवेलियन भेज दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन के स्कोर पर ऐडन मार्करम और हेनरिच क्लासेन के विकेट गंवा दिये जिससे स्कोर 10 विकेट पर चार रन था।

ऐसी शुरूआत के बाद दक्षिण अफ्रीकी पारी के जल्दी समाप्त होने की उम्मीद थी लेकिन टीम 18.2 ओवर तक खेलने में सफल रही। उसके लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 43 रन, डेविड मिलर ने 36 और मार्को यानसेन ने नाबाद 29 रन बनाये। भारत के लिए अर्शदीप के तीन विकेट के अलावा वरूण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो दो विकेट झटके। इससे पहले सैमसन 51 गेंद में छह चौके और आठ छक्के से 100 रन पूरे किये और वर्मा ने अपना सैकड़ा पूरा करने के लिए 41 गेंद खेलीं जिसमें छह चौके और नौ छक्के शामिल थे। अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 36 रन) को भी पावरप्ले में चार बड़े छक्के जड़कर पारी को लय देने का श्रेय मिलना चाहिए। बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड 23 छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्फ कोएत्जी चोटिल दिख रहे थे जिससे उन्हें गेंदबाजी में परेशानी हो रही थी और इससे भारत को फायदा ही हुआ। दोनों बल्लेबाजों ने मध्यम गति के गेंदबाज एंडिले सिमेलाने और लूथो सिपामला को खूब धुना।

माइक टायसन को 27 साल के जेक पॉल ने किया परास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व हैवीवेट चैंपियन मुक्केबाज माइक टायसन अमेरिका के टेक्सस में खेले गए साल के सबसे बड़े बॉक्सिंग में 27 साल के मुक्केबाज जेक पॉल से हार गए। 58 साल के टायसन आठों राउंड तक डटे रहे लेकिन आखिर में वह बाउट में हार गए। सबसे बड़ी बात ये है कि पॉल विपक्षी मुक्केबाजों को नॉकआउट करने लिए मशहूर हैं लेकिन वो टायसन को हिला नहीं पाए और वो आठवें राउंड तक डटे रहे। पॉल ने 8 राउंड के बाद 78 अंक हासिल किए जबकि टायसन को 74 पॉइंट मिले।

बता दें कि, पहले ये ब्लॉकबस्टर मुकाबला 20 जुलाई को खेला जाना था लेकिन मई के दौरान टायसन के मियामी से लॉस एंजिल्स की उड़ान के दौरान अल्सर की समस्या हो गई। जिस कारण इस बॉक्सिंग को रद्द करना पड़ा। 58 वर्षीय टायसन 11 जून 2005 को केविन मैकब्राइड से हारने के बाद से पेशेवर रूप से अपनी पहली लड़ाई के लिए रिंग में लौटे थे। टायसन ने हाल ही में 2020 के एक प्रदर्शनी मैच में रॉय जोन्स जूनियर का सामना किया था जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। यूट्यूबर से मुक्केबाज बने, 27 साल के जेक पॉल शनिवार को माइक टायसन के खिलाफ बाउट में उतरने से पहले एक ही मुकाबला हारे थे। पिचले साल फरवरी में टॉमी फ्यूरी के खिलाफ उन्होंने स्प्लिट डिसीजन से बाउट गंवाई थी। इस हार के बाद भी माइक टायसन को 20 मिलियन यूएस डॉलर मिलेंगे।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा फिर बने पिता, पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को दिया जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के घर बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, रोहित एक बार फिर पिता बने हैं, उनकी पत्नी रितिका ने बेटे को जन्म दिया है। बता दें कि, पहले ही उम्मीद जताई जा रही थी कि उनके घर नन्हा मेहमान आने वाला है जिस कारण वो पर्थ टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। हालांकि, अब इन उम्मीद से पहले ही समायरा को छोटा भाई मिल गया है। हिटमैन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट खेल सकते हैं। रोहित शर्मा और उनकी पत्नी रितिका सजदेह पहले से ही बेटी समायरा के माता-पिता हैं। उन्होंने अब तक अपने दूसरे बच्चे की खबर सभी से छुपाए रखी। रितिका की गर्भावस्था तक की बात सामने नहीं आई थी। हाल ही में पर्थ टेस्ट के लिए रोहित की अनउपलब्धता की खबरों के बाद फैंस को पता चला कि वह ऐसा घर नन्हें मेहमान के आगमन चलते करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक रोहित की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। दूसरी ओर भारतीय टीम के स्टार प्लेयर केएल राहुल के घर भी जल्द खुशियां आने वाली हैं। वो भी पिता बनने वाले हैं। हाल ही में राहुल की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी ने अपने प्रेग्नेंसी का ऐला किया था।

सूर्यकुमार यादव की कुर्बानी टीम इंडिया के लिए साबित हुई मास्टर स्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया को सफलता की राह दिखाने के लिए कप्तान को कभी आगे बढ़कर अगुवाई करनी पड़ती है तो कभी साथी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए कुछ त्याग करने पड़ते हैं। ऐसा ही कुछ सूर्यकुमार यादव के साथ साउथ अफ्रीका सीरीज के दौरान हुआ। उन्होंने सीरीज के दौरान एक ऐसा त्याग किया जो टीम के लिए मास्टर स्ट्रोक बन गया।

दरअल, चार मैच की इस सीरीज में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 3-1 से हराया। पहले मुकाबलों के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर थी, तब सूर्यकुमार यादव ने अपनी नंबर-3 की पोजिशन का त्याग करते हुए तिलक वर्मा को ऊपर खेलने का मौका दिया और युवा सनसनी ने अगले दोनों मैचों में शतक जड़ कप्तान के इस त्याग को जाया नहीं जाने दिया।

सुर्या सेंचुरियन में खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान खुलासा किया था कि तिलक वर्मा ने खुद उनसे नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने को कहा था। कप्तान ने कहा था कि, तिलक वर्मा के बारे में मैं क्या कह सकता हूं। वह मेरे पास दूसरे टी20 मैच के बाद कमरे में आए, मुझसे पूछा कि क्या वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं? मैंने उनसे कहा कि आज उसका दिन है और उसे इसका लुत्फ उठाना चाहिए। मैं जानता था कि वह क्या करने में सक्षम है और उसके लिए बेहद खुश हूं। वह निश्चित रूप से आगे चलकर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। उसने इसके लिए कहा कि उसने ऐसा किया।

मौजूदा फॉर्म के आधार पर विश्व चैंपियनशिप में डिंग के खिलाफ गुकेश जीत के दावेदार- कार्लसन

कोलकाता (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन का मानना है कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर भारतीय स्टार डी गुकेश इस महीने के अंत में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। गुकेश 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में होने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन डिंग से भिड़ेंगे। इस साल की शुरुआत में टोरंटो में आयोजित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतने के बाद 18 साल के गुकेश ने फाइनल में जगह पक्की की थी।

कार्लसन ने यहां टाटा स्टील शतरंज इंडिया रैपिड टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, ''मैं उस मुकाबले के बारे में कुछ खास नहीं कहना चाहता। मौजूदा फॉर्म के आधार पर हालांकि गुकेश का पलड़ा थोड़ा भारी है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि शीर्ष स्तर पर शतरंज खेलने की क्षमता के आधार पर यह काफी हद तक बराबरी का मुकाबला होगा। डिंग अगर अपनी लय को हासिल करने में सफल रहे तो उसके पास भी जीतने का अच्छा मौका होगा।

मैदान पर इंट्रा स्क्वॉड मैच में कोहली-पंत हुए फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। पर्थ स्टेडियम पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच खेला जाना है, जिसकी तैयारी में टीम इंडिया जुटी हुई है। वहीं इस सीरीज से पहले पर्थ के डब्ल्यूएसीए स्टेडियम में इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलना शुरू की है। इंट्रा सस्क्वॉड मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ियों के साथ-साथ इंडिया ए के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। वहीं मैच के पहले दिन विराट कोहली और ऋषभ पंत के लिए शॉर्ट बॉल सिरदर्द बनी तो केएल राहुल चोटिल हो गए। भारत के मेन बल्लेबाज ने पहले दिन दो पारियों में बल्लेबाजी की। विराट कोहली पहली पारी में 15 रनों पर आउट हुए, लेकिन दूसरी पारी में वह बेहतर रिदम में नजर आए और 30 रन बनाए। वहीं पंत पहली पारी में भी 20 से कम रन पर आउट हुए और दूसरी पारी में भी मुकेश कुमार ने उनको अपना शिकार बनाया। प्रसिद्ध कृष्णा ने अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया वहीं नीतीश रेड्डी ने भी विराट कोहली को अपनी गेंदबाजी से परेशान किया। भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की होम टेस्ट सीरीज 0-3 से गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। जिसके बाद सबकी निगाहें टीम इंडिया पर टिकी हुई हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बनाया एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड, मेसी समेत कई दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भले ही 39 वर्ष के हो गए हैं लेकिन उनकी फिटनेस से इसका अंदाजा बिल्कुल भी नहीं लगता है। वहीं अभी भी उनके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला कायम है। शुक्रवार को पोलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने गोल किए और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोनाल्डो ने मैच में दो गोल किए जिससे उनकी टीम 5-1 से जीत गई।

रोनाल्डो इस जीत के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ी हैं। रोनाल्डो ने पूर्तगाल के लिए अब तक 132 मैच जीते हैं। शुक्रवार को वह दिग्गज खिलाड़ी सर्जियो रामोस से आगे निकले। रामोस ने स्पेन के लिए 131 मैच जीते हैं। वहीं रोनाल्डो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। साथ ही वह राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले फुटबॉलर हैं। उन्होंने 217 मैच खेले हैं वहीं वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। वह पुर्गाल के लिए 136 गोल कर चुके हैं। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। दूसरे हाफ में भारत ने पांच गोल किए। 59वें मिनट में

राफेल लिआओ ने हेडर से पुर्तगाल के लिए खाता खोला। इसके बाद 72वें मिनट में रोनाल्डो ने पेनल्टी किक को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। 80वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडेस ने शानदार शॉट से तीसरा गोल दागा।

खिलाड़ियों के नाम पर लगेगी बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने आगामी आईपीएल 2025 ऑक्शन के लिए शुक्रवार को 574 खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इन खिलाड़ियों पर इसी महीने 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में बोली लगने वाली है। वैसे तो मैगा ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन 574 खिलाड़ियों को ही नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। वहीं इन 574 खिलाड़ियों में से एक खिलाड़ी महज 13 साल का है तो एक 42 साल का उम्रदराज है। 2008 से शुरू हुई दुनिया की बड़ी और महंगी लीग आईपीएल में हर साल कुछ नया ही देखने को मिलता है। वहीं इस बार 24 और 25 नवंबर को होने वाली आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी के नाम पर बोली लग सकती है। वहीं सबसे पहले एक नजर आईपीएल 2025 के ऑक्शन

में शामिल होने वाले सबसे युवा खिलाड़ी पर डालें तो, ये खिलाड़ी हाल ही में बिहार की ओर से फर्स्ट क्लास डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी हैं। वैभव सूर्यवंशी महज 13 साल के हैं। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और आईपीएल मेगा ऑक्शन की लिस्ट में 491वें स्थान पर हैं। अनकैप्ड बल्लेबाज श्रेणी का हिस्सा हैं साथ ही 68वें सेट में नामित किया गया है। सितंबर और अक्टूबर में आयोजित भारत अंडर-19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 यूथ टेस्ट सीरीज के दौरान सूर्यवंशी ने शतक जडकर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। लेकिन, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वह कुछ कमाल नहीं दिखा पाए, 5 मैचों की 10 पारियों में वह कुल 100 रन ही बना हैं। जिनमें उनका हाइएस्ट स्कोर 41 का है। दूसरी ओर आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में शामिल होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन हैं। 991 इंटरनेशनल क्रिकेट लेने वाले एंडरसन ने रिटायरमेंट के बाद इस रंगारंग लीग का अनुभव हासिल करने का फैसला किया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदती हैं या नहीं ये तो भविष्य तय करेगा लेकिन टीम को उनके अनुभव का फायदा जरूर मिलेगा।

दवा दुकानों पर ड्रग इंस्पेक्टर की दबिश

दवाओं की स्थिति जांची, बिना लाइसेंस चल रहा मेडिकल स्टोर सील

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत शुक्रवार को मैहर में ड्रग इंस्पेक्टर ने पुलिस के साथ मेडिकल स्टोर्स में दबिश दी। इस दौरान बिना लाइसेंस चल रहा एक मेडिकल स्टोर सील किया गया। जबकि, कई दुकानदारों को नोटिस दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मेडिकल नशे के कारोबार के खिलाफ अब तक कार्रवाई करती आई पुलिस के साथ शनिवार को ड्रग इंस्पेक्टर भी मैदान में उतरी और मैहर की कई दवा दुकानों में दबिश देकर कार्रवाई की।

ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे ने मैहर थाने के सब इंस्पेक्टर अशोक सिंह सेंगर के साथ विशाल मेडिकल, जय भोले मेडिकल, सिटी मेडिकल स्टोर समेत कई दुकानों में जांच पड़ताल की। संयुक्त टीम ने दुकानों का लाइसेंस, स्टॉक, दवाओं की खरीद-बिक्री के दस्तावेज और प्रतिबंधित, प्रिसक्राइब्ड दवाओं की स्थिति जांची।

डेल्हा में सिटी मेडिकल स्टोर सील: इस दौरान ग्राम डेल्हा में सिटी मेडिकल स्टोर नामक दवा दुकान बिना लाइसेंस के संचालित पाई गई। ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे ने औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 22 (1) के तहत कार्रवाई करते हुए मेडिकल स्टोर को सील कर दिया।

अन्य दुकानदारों को भी दुकान में पाई गई अनियमितता के सम्बन्ध में नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाएगा। जांच टीम में मैहर थाना के हेड कॉन्स्टेबल अनिल सिंह और आरक्षक संजय तिवारी भी शामिल रहे।

बाजार में हड़कंप: ड्रग इंस्पेक्टर के पुलिस के साथ दवा दुकानों में शुरू की गई जांच पड़ताल से बाजार में मेडिकल कारोबारियों के बीच हडकंप मच गया। कई झोला छाप डॉक्टरों ने अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए और भाग खड़े हुए जबकि अन्य दुकानदार भी अपनी दुकानों को व्यवस्थित करते नजर आए।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुई। राज्यमंत्री बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

समाधान दिवस में लेखपाल पर हुई कार्रवाई

ट्रांसफर के दिए आदेश, 71 में से केवल 5 शिकायतों का हुआ निस्तारण

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। शनिवार को राजापुर तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने शिकायतों की समीक्षा की और उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

शिकायतों के त्वरित समाधान का निर्देश: जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं को उनकी समस्याओं के समाधान की स्थिति की जानकारी दी जाए। शिकायतों का निस्तारण समय पर और गुणवत्ता के साथ किया जाना चाहिए।

भू-विवाद मामलों में विशेष निर्देश: भूमि विवादों को जल्दी सुलझाने के लिए राजस्व, चकबंदी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ऐसे मामलों को प्राथमिकता पर हल करने और कब्जा मुक्त कराने पर जोर दिया।

लापरवाह लेखपाल पर कार्रवाई: भदेऊ के लेखपाल शशांक मिश्रा की कार्य प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर उन्हें तुरंत स्थानांतरित करने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

71 में से केवल 5 शिकायतों का निस्तारण: राजापुर में कुल 71 शिकायतें दर्ज हुईं। जिनमें से केवल 5 का मौके पर समाधान हो सका। अन्य तहसीलों में भी स्थिति समान रही। मानिकपुर में 42, मऊ में 40 और कर्वी में 59 शिकायतें दर्ज हुईं।

निस्तारण की धीमी गति पर सवाल खड़े हो रहे: कार्यक्रम में कई विभागों के अधिकारी जैसे पुलिस क्षेत्राधिकारी जय करन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी और उप कृषि निदेशक राजकुमार मौजूद थे। सभी ने शिकायतों के समाधान के लिए तत्परता दिखाने का आश्वासन दिया। इस आयोजन का उद्देश्य जन समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था। हालांकि, शिकायतों के निस्तारण की धीमी गति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

खेल में तकनीक का बहुत बडा महत्व होता है: प्रतिमा बागरी

रीवा-सतना संभागीय श्रमिक खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. श्रम कल्याण मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित रीवा-सतना संभागीय श्रमिक खेल प्रतियोगिता का शनिवार को दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम जवाहरनगर में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्यातिथ्य में पुरूस्कार वितरण के साथ समापन किया गया। खिलाडियों को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि खेल में तकनीकी का बहुत बडा महत्व होता है। अच्छा खिलाडी वही सिद्ध होता है जो सही तकनीक का उपयोग करते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करता है।

उन्होंने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग है, अगर हम खेल को अपने से दूर नहीं करते तो वह हमें जन्म से लेकर जीवित रहने तक खुशी देता है। खिलाडी चाहे किसी भी नौकरी पेशा में हों, अपनी रूचि का खेल खेलने में जो खुशी मिलती है वो किसी काम में नहीं मिलती। हमारी सरकार भी खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि खेल में हार नहीं होती। खिलाडी या तो जीतता है या फिर सीखता है। उन्होंने प्रतिभागी खिलाडियों को खिलाडी भावना से खेल का प्रदर्शन करने पर बधाई दी। इस मौके पर अतिथियों द्वारा विजेता खिलाडियों को स्मृति चिन्ह, ट्राफी तथा पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी सहायक श्रमायुक्त हेमंत डेनियल, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, सिटी कार के महाप्रबंधक शेरू खान, इंटक के मनोज कुमार पाण्डेय, संतोष कुमार पाण्डेय, योगेन्द्र सिंह, पद्मधर द्विवेदी सहित प्रतिभागी खिलाडी उपस्थित रहे।

सड़क जाम करने पर 89 पर एफआईआर

शव रख कर किया था जाम, पुलिस ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, मऊ निप्र। मऊ के चित्रकूट में दुकानदार की मौत के बाद शव को झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखकर जाम लगाना परिजनों व ग्रामीणों को भारी पड़ गया। जाम करने वाले के ही खिलाफ खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया। रैपुरा के देउंधा में दुकानदार की मौत के बाद शव को झांसी मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखा जिससे जाम लगा गया। थाना प्रभारी की तहरीर पर नौ नामजद व 80 अज्ञात के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध करना, यात्रियों के साथ धक्का मुक्की, हाथापाई व गाली गलौज, वाहनों पर पत्थर बाजी करने और सेवन सीएल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मारपीट में हुई थी दुकानदार की मौत: देउंधा निवासी 49 वर्षीय दुकानदार रोहिणी प्रसाद के साथ 11 जुलाई की रात को ककरौली निवासी पट्टू यादव, इटवा के चमरुआ पुरवा निवासी धर्मेंद्र पुत्र अवधेश, सूरजभान पुत्र लखन बबलवंत का पुत्र ने मारपीट थी। जिसके चार माह बाद रविवार को प्रयागराज के कमला नेहरू अस्पताल में मौत हो गई।

पुलिस ने 3 तीन में कार्रवाई का आश्वासन दिया: सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने झांसी मिर्जापुर हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया था। जाम में एंबुलेंस सहित अन्य वाहन करीब एक घंटे तक फंसे रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने यात्रियों के साथ गाली गलौज, मारपीट भी की। साथ ही कई वाहनों में पत्थर फेंके। एसडीएम सौरभ यादव, सीओ जयकारण सिंह, एसओ श्याम प्रताप पटेल पहुंचे और तीन दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर अंतिम संस्कार के लिए माने।

घरों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर

पहले चरण में 65 हजार घरों का टारगेट, अब सही बिल मिलेगा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने और उपभोक्ताओं को बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत की गई है। यह मुहिम चित्रकूट मुख्यालय स्थित एलआईसी तिराहे के पास शुरू हुई।

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के वाणिज्य निदेशक अजय अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता आरके यादव ने जिले का पहला स्मार्ट मीटर रामसागर पांडे के घर पर लगाकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली खपत की सही जानकारी मिलेगी। ट्रांसफार्मर व फीडरों पर भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

पहला चरण:- जिले में कुल 1.80 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। पहले चरण में जिला मुख्यालय के 65 हजार घरों, सरकारी दफ्तरों और दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

स्मार्ट मीटर के फायदे: सटीक बिजली बिल- उपभोक्ता अपनी खपत के हिसाब से बिल देख सकेंगे।

बिजली चोरी पर रोक-स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी कम होगी।

डिजिटल निगरानी-ट्रांसफार्मर और फीडर पर निगरानी आसान होगी।

यह कदम बिजली आपूर्ति में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं का अनुभव बेहतर करने के लिए है।

जसो और धारकुंडी में पकड़ी गांजे की खेती

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर की कार्रवाई, लाखों रुपए के पौधे जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना पुलिस ने शुक्रवार को जिले के जसो और धारकुंडी थाना क्षेत्र में दबिश देकर गांजे की खेती पकड़ी है। इन दो अलग-अलग मामलों में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि, एक की तलाश जारी है।

अरहर के खेत में मिले 80 पौधे: जसो थाना क्षेत्र के चौतरिहा गांव में दबिश देकर पुलिस ने अरहर के खेत मे लगी गांजा की फसल पकड़ी है। पुलिस ने यहां से लगभग 15 किलो 6 सौ ग्राम वजन के 80 पौधे जब्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 56 हजार रुपए है।

पुलिस ने बताया कि चौतरिहा के कटरिया हार में आरोपी सोनेलाल पिता बखतिया कोल ने अरहर की फसल के बीच गांजा के पौधे लगा रखे थे। थाने के सब इंस्पेक्टर केएन मिश्रा ने शुक्रवार को देर शाम टीम के साथ दबिश दी, तो आरोपी झाड़ियों की आड़ लेकर जंगल की तरफ भाग निकला। पुलिस ने गांजा के पौधे जब्त कर लिए और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

धारकुंडी के हरदी में पौधों के साथ बुजुर्ग गिरफ्तार: इसी प्रकार धारकुंडी थाना क्षेत्र के ग्राम हरदी में सौखी लाल कोल पिता जगतदेव कोल (70) ने अपने घर के आंगन और बगिया में गांजा के पौधे लगा रखे थे। धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेन्द्र पटेल ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद दबिश देकर 4 किलो 3 सौ ग्राम वजन के गांजे के पौधे जब्त कर लिए। आरोपी सौखी लाल कोल को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जिले के कृषकों को रबी फसलों के लिए इस माह का कृषि परामर्श

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि जिले में रबी फसलों के लिए कृषि परामर्श हेतु नवम्बर माह के लिए फसलवार सलाह दी गई है। विभाग द्वारा कृषकों को दी सलाह में अरहर में फल्ली भेदक इल्ली के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी., 1.5-2 मि.ली/लीटर या स्पाइनोसाड 45 प्रतिशत एसजी (0.2 मि.ली./ली.) या इंडाक्साकार्ब 15.8 ई.सी. (0.5 मि.ली./ली.) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 5 एस. जी. (0.3 ग्राम/ली.) की दर से छिड़काव करें या नीम का तेल (0.03 प्रतिशत) 5 मि.ली./लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। गेहूँ की फसल की बुवाई हेतु खेत की तैयारी करें। कृषि आदानो की व्यवस्था रखे। पानी की उपलब्धता व क्षेत्र विशेषानुसार किस्म का चयन करें। सिंचित दशा में समय से बोनी (15 नवम्बर से 30 नवम्बर) की दशा में उपयुक्त क्षेत्र विशेषानुसार किस्म का चयन करें। जैसे एच. आई. 1418 (नवीन चन्दौसी), एच. आई. 1479 (स्वर्णा), जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 273, जी.डब्ल्यू. 322, जी.डब्ल्यू. 366, एच. आई. 1544 (पूर्णा) आदि है । बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु कार्बोक्सिन (वीटावेक्स) 2 ग्राम/किलो से उपचारित करें। इसके उपरान्त जैव उर्वरक जैसे एजेटोबेक्टर व पी. एस. बी. कल्चर प्रत्येक की 10 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करके छाया में सुखाकर बोनी करें। जिन खेतो में उकटा रोग एवं कॉलर राट का प्रकोप प्रतिवर्ष होता है उन खेतों में चने के स्थान पर अन्य फसलें जैसे गेहूँ, अलसी इत्यादि की बुवाई करें। बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम .1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज या वीटावेक्स (कार्बोक्सिन) 2 ग्राम/किलो से उपचारित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम एवं पी. एस. बी. कल्चर प्रत्येक की 5-7 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। चने की बुवाई ब्रोड बेड फरो या रिज फरो विधि से करें जिससे नमी संरक्षित रहेगी तथा उपज में वृद्धि होगी। मटर की उन्नत किस्में जैसे आदर्श, विकास, प्रकाश, आई.पी.एफडी. 12 - 2, आई.पी.एफ डी. 11-5 इन्द्रा मटर 1 आई.पी.एफ डी. 2014-2, इत्यादि। बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम .1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज या वीटावेक्स (कार्बोक्सिन) 2 ग्राम / किलो से उपचारित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम एवं पी. एस. बी. कल्चर प्रत्येक की 5-7 ग्राम मात्रा प्रतिकिलो बीज की दर से उपचारित करें ।बुवाई पूर्व बीजोपचार हेतु 2 ग्राम थायरम .1 ग्राम कार्बेन्डाजिम के मिश्रण से प्रति किलो बीज से उपचारित करें। इसके उपरान्त राइजोबियम एवं पी. एस.वी. कल्चर प्रत्येक की 5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। प्रमुख धान उत्पादक जिले/ क्षेत्र जैसे बालाघाट में उतेरा फसल के रूप में उडद की फसल ली जा सकती है। फसल की बुवाई के 15-20 दिनों बाद घने पौधों की छंटनी करके पौधों की आपसी दूरी 15 से.मी. कर लें। बुवाई के 30-35 दिनों बाद पहली सिंचाई करें।

गन्ने की शीतकालीन फसल बुवाई करें। क्षेत्र विशेष के अनुसार उचित किरम का चयन करें व बुवाई से पूर्व गन्ने के टुकड़ो को कार्बेन्डाजिम (1 ग्रा./ली. पानी) के घोल में डुबाकर उपचारित करें। फसल में डेंडु छेदक इल्ली की समस्या हो तो इसके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (2 मिली / ली पानी) अथवा ट्रायजोफॉस (2 मिली / ली पानी) का प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।

मनुष्य के जीवन में खेलों का विशेष महत्व है: गणेश सिंह

संभागीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता का सांसद ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. श्रम कल्याण मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित रीवा-सतना संभागीय श्रमिक खेल प्रतियोगिता का उदघाटन शनिवार को दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम जवाहरनगर में सतना सांसद गणेश सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद सिंह ने कहा कि संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिले में इसके पहले 2008 में हुआ।

उसके बाद यह आयोजन दूसरी बार 2024 में हो रहा है। यह एक अच्छी पहल है कि विभिन्न उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक वर्ग तथा अधिकारी वर्ग के प्रतिभावान खिलाडियों को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है।

सांसद सिंह ने कहा कि खेलो इण्डिया खेलो एवं फिट इंडिया फिट इन दो कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों के खिलाडियों को प्रोत्साहित किया है। इससे देश में खेल के प्रति लोगों का रूझान दिन-प्रतिदिन बढ रहा है।

ओलंपिक में खिलाडियों की उपस्थिति पहले से बेहतर हो गई है। इसी तरह अन्य खेलों में भी हमारे खिलाडियों ने देश का नाम रोशन किया है। खेलों में विशेष रूप से क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन खेल रहे खिलाडियों ने देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर प्रभारी सहायक श्रमायुक्त हेमंत डेनियल, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, विंध्य चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, योगेन्द्र सिंह, इंटक के मनोज कुमार पाण्डेय, संतोष कुमार पाण्डेय, योगेन्द्र सिंह, पद्मधर द्विवेदी सहित प्रतिभागी खिलाडी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।